राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 28 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-332 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महान अर्थशास्त्री असरदार सरदार डॉ मनमोहन सिंह

देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का निधन हो गया है, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सहित पूरे देश सहित पूरी दुनिया के उनके शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया हैद्य डॉ मनमोहन सिंह का जाना भारतीय राजनीति में एक बड़ा नुकसान हैद्य डॉ साहब जब आप पीएम थे तब मुल्क आपके साथ न्याय नहीं कर सका, आपको वो इज्ज़त नहीं दे सका जिसके आप हकदार थेद्य 2014 में एक इंटरव्यू में आपने कहा था, मेरा पूरा विश्वास है कि मौजूदा मीडिया और संसद में मौजूद विपक्षी पार्टियों की तुलना में इतिहास मेरे प्रति ज्यादा दयालु होगा मुझे लगता है इतिहास आपके साथ न्याय करेगाद्य अलविदा डॉ साहब ये मुल्क आपको डिजर्व नहीं करता थाद्य डॉ मनमोहन सिंह दो बार प्रधानमंत्री ज़रूर बने लेकिन वे कभी भी खुद को राजनेता नहीं मानते थे, पार्टी के आदेश पर जीवन में सिर्फ़ एक बार लोकसभा का चुनाव लड़े, लेकिन हार गएद्य मनमोहन सिंह को बहुत अच्छी तरह से पता था कि उनका राजनीतिक जनाधार नहीं हैद्य उन्होंने कहा था, राजनेता बनना अच्छी बात है, लेकिन लोकतंत्र में राजनेता बनने के लिए आपको पहले चुनाव जीतना पड़ता है, और मैं चुनाव नहीं जीत सकता इसलिए मैं खुद को नेता नहीं मानताद्य फ़िर उन्होंने चुनाव से तौबा कर लीद्य

डॉ मनमोहन सिंह ने एक दशक अधिक समय तक अभूतपूर्व बढ़ोतरी और विकास का नेतृत्व किया। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, भारत ने अपने इतिहास में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर देखी, जो औसतन 7.7त्न रही और लगभग दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनी, 1971 में डॉ. मनमोहन सिंह वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। 1972 में उनकी नियुक्ति वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में हुई। उन्होंने वित्त मंत्रालय के सचिव; योजना आयोग के उपाध्यक्ष; भारतीय रिजर्व बैंक के अध्यक्ष; प्रधानमंत्री के सलाहकार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गर्वनर थे। उनके कार्यकाल के दौरान बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित व्यापक कानूनी सुधार किए गए और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में एक नया अध्याय जोड़ा गया और शहरी बैंक विभाग की स्थापना की गई। आरबीआई में अपने कार्यकाल के बाद, उन्होंने वित्त मंत्री नियुक्त होने से पहले कई पदों पर काम किया। वित्त मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल इस तथ्य के लिए उल्लेखनीय था कि उन्होंने भारत में उदारीकरण और व्यापक सुधारों की शुरुआत की।

डॉ. मनमोहन सिंह ने 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था। आर्थिक सुधारों के लिए व्यापक नीति के निर्धारण में उनकी भूमिका को सभी ने सराहा है। भारत में इन वर्षों को उनके व्यक्तित्व के अभिन्न अंग के रूप में जाना जाता है। अर्थशास्त्र के जानकार कहते हैं कि डॉ मनमोहन सिंह अगर 1991 में वित्तमंत्री नहीं बने होते तो शायद भारत कभी भी आर्थिक आपातकाल से बाहर नहीं आताद्य बतौर वित्तमंत्री मनमोहन सिंह ने आर्थिक दर को जो आयाम दिया जिसके कारण आज भी भारत को फायदा होता हैद्य वित्तमंत्री, प्रधानमंत्री आएंगे, जाएंगे लेकिन मनमोहन सिंह जी जैसा अर्थशास्त्र का जानकार उनके जैसा विद्वान शायद ही इस मुल्क को मिले इसलिए ही डॉक्टर मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्र का आर्किटेक्ट कहा जाता हैद्य डॉ मनमोहन सिंह जी को अब तक के भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बेहतर वित्तमंत्री के रूप में याद रखा जाएगाद्य वहीँ प्रधानमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल को स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगाद्य आरटीआई, मनरेगा, फूड सिक्योरिटी बिल, परमाणु समझौता जैसे महान सुधारों के लिए याद किया जाएगाद्य

दुनिया के सबसे बड़े मुल्क अमेरिका के प्रभावशाली राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जी जब बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती हैद्य हालांकि बहुत कम बोलते हैं लेकिन जितना भी बोलते हैं, कमाल बोलते हैंद्य पूरी दुनिया उनकी अर्थशास्त्र की जानकारी और उनके ज्ञान से प्रभावित रही है कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड, जैसे बड़े-बड़े विश्वविद्यालय में डॉक्टर मनमोहन सिंह के व्याख्यान भविष्य में विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगेद्य ये मुकाम डॉक्टर मनमोहन सिंह की विद्वता को दर्शाता है, शायद इस मुल्कों को दोबारा ऐसा विद्वान प्रधानमंत्री मिलेद्य

देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार वर्ष के वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी अवार्ड और वित्तमंत्री के लिए यूरो मनी अवार्ड, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार; कैम्ब्रिज के सेंट जॉन्स कॉलेज में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए राइट पुरस्कार.. उनको जापानी निहोन किजई शिम्बुन एवं अन्य संघो की तरफ से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. मनमोहन सिंह को कैंब्रिज एवं ऑक्सफोर्ड और अन्य कई विश्वविद्यालयों की तरफ से मानद उपाधियां प्रदान की गई हैं। डॉ. मनमोहन सिंह ने कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों और सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 1993 में साइप्रस में राष्ट्रमंडल प्रमुखों की बैठक में और वियना में मानवाधिकार पर हुए विश्व सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया है। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने 1991 से भारतीय संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) के सदस्य रहे जहां वे 1998 से 2004 तक विपक्ष के नेता थे। वहीं डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004 के आम चुनाव के बाद 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री के रूप के शपथ ली और 22 मई 2009 को दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा।

क्यों हमेशा नीली पगड़ी पहनते थे मनमोहन सिंह, जानिए पूर्व प्रधानमंत्री से जुड़ी ये रोचक बात

26 दिसंबर, गुरुवार रात 9:51 बजे, भारत ने अपने महान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को खो दिया। वे 92 वर्ष के थे और दिल्ली के एम्स में उनका इलाज चल रहा था। वे अपनी सादगी और विद्वता के लिए जाने जाते हैं। लेकिन उनके पहनावे का एक विशेष हिस्सा, नीली पगड़ी, हमेशा चर्चा का विषय रहा है। आखिर क्यों मनमोहन सिंह हमेशा नीली पगड़ी पहनते थे? इसका जवाब उन्होंने 11 अक्टूबर 2006 को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में दिया था।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और नीली पगड़ी का कनेक्शन

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में डॉ. मनमोहन सिंह को ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग, प्रिंस फिलिप द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया था। उस अवसर पर प्रिंस फिलिप ने अपने भाषण में मजाकिया अंदाज में कहा,

'आप उनकी पगड़ी के रंग पर ध्यान दे सकते हैं।'

इस टिप्पणी का जवाब देते हुए डॉ. मनमोहन सिंह ने खुलासा किया कि हल्का नीला रंग उनके अल्मा मेटर कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी का प्रतीक है। उन्होंने कहा,

'कैम्ब्रिज में बिताए मेरे दिनों की यादें बहुत गहरी हैं। हल्का नीला रंग मेरा पसंदीदा है, इसलिए यह अक्सर मेरी पगड़ी पर दिखाई देता है।'

हल्का नीला रंग: डॉ. मनमोहन सिंह की पहचान

नीली पगड़ी डॉ. मनमोहन सिंह की पहचान बन चुकी थी। यह न केवल उनकी व्यक्तिगत पसंद को दर्शाता था, बल्कि उनके शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक भी था। हल्का नीला रंग कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की पारंपरिक पहचान से जुड़ा हुआ है।

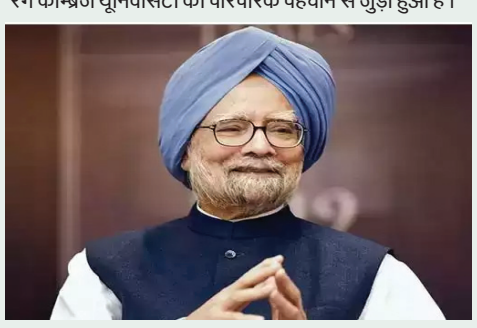

मोदी ने दी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि,

कहा- सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा

उन्हें एक दयालु इंसान, विद्वान अर्थशास्त्री और सुधारों के लिए समर्पित नेता बताया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताया और कहा कि उन्हें एक दयालु इंसान, विद्वान अर्थशास्त्री और सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि उनका जीवन भविष्य की पीढ़ियों को सिखाता है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर ऊंचाइयों को प्राप्त किया जाता है।

डॉ. सिंह का निधन राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति

मोदी ने कहा कि डॉ. सिंह का निधन राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। विभाजन के दौरान भारत आने के बाद बहुत कुछ खोने के बावजूद उन्होंने इन उपलब्धियों को हासिल किया।

उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का जीवन भविष्य की पीढ़ियों को सिखाता है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को प्राप्त किया जाए। मोदी ने जोर देकर कहा कि डॉ. सिंह को हमेशा एक दयालु व्यक्ति, एक विद्वान अर्थशास्त्री और सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा।

एक अर्थशास्त्री के रूप में विभिन्न स्तरों पर भारत सरकार में डॉ. सिंह के कई योगदानों को मोदी ने रेखांकित किया और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में उनकी भूमिका की सराहना की।

सिंह ने देश को वित्तीय संकट से बाहर निकाला

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और भारतरत्न पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार में वित्तमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने देश को वित्तीय संकट से बाहर निकाला और एक नए आर्थिक पथ पर अग्रसर किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र के विकास और प्रगति में डॉ. सिंह के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों और देश के विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता को हमेशा उच्च सम्मान दिया जाता है।

सिंह का जीवन उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिम्ब रहा

मोदी ने यह भी रेखांकित किया कि डॉ. सिंह का जीवन उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिम्ब रहा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि डॉ. सिंह का विशिष्ट संसदीय जीवन उनकी विनम्रता, सौम्यता और बुद्धिमत्ता के लिए जाना जाता है।

प्रधानमंत्री ने याद किया कि इस वर्ष के आरंभ में राज्यसभा में सिंह का कार्यकाल पूरा होने पर भी उन्होंने डॉ. सिंह के समर्पण को सभी के लिए

प्रेरणा बताते हुए उनकी प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि अपनी शारीरिक चुनौतियों के बावजूद डॉ. सिंह ने व्हीलचेयर पर बैठकर महत्वपूर्ण सत्रों में भाग लिया और अपने संसदीय कर्तव्यों को पूरा किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों से शिक्षा प्राप्त करने और शीर्ष सरकारी पदों पर आसीन होने के बावजूद डॉ. सिंह अपनी साधारण पृष्ठभूमि के मूल्यों को कभी नहीं भूले।

उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर रहे, सभी दलों के व्यक्तियों के साथ संपर्क बनाए रखा और सभी के लिए आसानी से सुलभ रहे। मोदी ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान और बाद में दिल्ली में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर डॉ. सिंह के साथ अपनी खुली बातचीत को भी याद किया।

उन्होंने डॉ. सिंह के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और सभी नागरिकों की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले प्रधानमंत्री ने सिंह को उनके 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंहजी को उनके आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की। हमारे देश के लिए उनके योगदान को भारत हमेशा याद रखेगा।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को दोपहर में 12.30 बजे स्वामित्व योजना के तहत 50 लाख से अधिक लोगों को संपत्ति कार्ड वितरित करने वाले थे। यह एक विशाल राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम था जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से लोगों और मंत्रियों को भाग लेना था। लेकिन मनमोहन सिंह के सम्मान में इस कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया।

पूर्व वित्तमंत्री और 2 बार प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। मनमोहन सिंह को गुरुवार की शाम तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। वे 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक 2 बार देश के प्रधानमंत्री रहे।

पाकिस्तान को सबक सिखाना चाहते थे मनमोहन सिंह, ब्रिटेन के पीएम से क्यों कही थी यह बात

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन ने अपने संस्मरण में उल्लेख किया है कि जुलाई 2011 के मुंबई बम विस्फोटों के बाद मनमोहन सिंह ने उनसे कहा था कि यदि ऐसा कोई और हमला होता है तो भारत को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करनी होगी।

मुंबई के विभिन्न स्थानों पर 13 जुलाई 2011 को तीन बम विस्फोट हुए थे। ये धमाके ओपेरा हाउस, जावेरी बाजार और दादर पश्चिम क्षेत्रों में शाम 6:54 बजे से 7:06 बजे के बीच हुए थे जिसमें 26 लोग मारे गए और 130 लोग घायल हो गए थे।

वर्ष 2019 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'फॉर द रिकॉर्ड' में कैमरन ने लिखा, 'प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ मेरे अच्छे संबंध थे। वह एक संत पुरुष थे, लेकिन भारत के सामने आने वाले खतरों के बारे में वह बेहद सख्त थे। बाद में एक यात्रा पर उन्होंने मुझसे कहा कि जुलाई 2011 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले जैसा एक और आतंकवादी हमला अगर हुआ तो भारत को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करनी होगी।'

वर्ष 2013 में अमृतसर की यात्रा के दौरान जब वह और सिंह प्रधानमंत्री थे, तब कैमरन ने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड को ब्रिटिश इतिहास की एक बेहद शर्मनाक घटना बताया था।

पूर्व वित्त मंत्री और 2 बार प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह का गुरुवार को 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री थे। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, रुपये के अवमूल्यन, करों में कटौती और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की अनुमति देकर एक नई शुरुआत की। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश को मनरेगा और आरटीआई की सौगात दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रद्धांजलि- दमतोड़ती अर्थव्यवस्था के खेवनहार बने थे डॉ मनमोहन सिंह

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

मनमोहन सिंह का नाम शीर्ष अर्थशास्त्रियों की फेहरिस्त में सम्मान से लिया जाता रहा है। अगर डॉ मनमोहन सिंह नहीं होते तो वर्ष1991-92 में भारत आर्थिक रूप से अपंग हो गया होता।डॉ मनमोहन सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के साथ मिलकर भारत की आर्थिक दिशा ही बदल दी थी।डॉ. मनमोहन सिंह ने ऐसी नीतियां पेश कीं, जो न केवल उस समय के आर्थिक संकट से उबरने में मददगार रहीं, बल्कि भारत को उच्च विकास पथ पर भी ले गईं। हालांकि उसके बाद देश की बदहाल अर्थव्यवस्था ने प्रत्येक देशवासी के मन में अनिश्चितता का माहौल व डर पैदा कर दिया है। हर कोई अपने भविष्य को लेकर चिंतित है।सन 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट देखने को मिली।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर एम्स से उनके आवास पर पहुंच गया है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। भारत सरकार ने 27 दिसंबर, 2024 के लिए निर्धारित सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं और 7 दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।26 दिसंबर 2024 को घर पर ही उन्हें अचानक बेहोशी आ गई। घर पर तुरन्त उन्हें बचाने के उपाय शुरू किए गए। उन्हें रात 8:06 बजे नई दिल्ली के एम्स के मेडिकल इमरजेंसी में लाया गया। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और रात 9:51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से लेकर देश के कई बड़े नेताओं और हस्तियों ने दुख व्यक्त किया है।मनमोहन सिंह का जन्म 1932 में पंजाब में हुआ था। वह 2004 से 2014 तक लगातार दो बार भारत के प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाले एनडीए के खिलाफ 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद पहली बार पीएम पद की शपथ ली थी। उन्होंने 2009 से 2014 तक अपना दूसरा कार्यकाल पूरा किया। उसके बाद 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी ने उनकी जगह ली। 33 साल तक सेवा देने के बाद वे इस साल की शुरुआत में राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो गए थे।मनमोहन सिंह के कार्यकाल में वैश्विक मंदी के बावजूद भारत तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की सूझबूझ के चलते आर्थिक रूप में मजबूत बना रहा।मनमोहन सिंह को सन 1991 में भारत की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए जाना जाता है। मनमोहन सिंह का नाम शीर्ष अर्थशास्त्रियों की फेहरिस्त में सम्मान से लिया जाता रहा है। अगर डॉ मनमोहन सिंह नहीं होते तो वर्ष1991-92 में भारत आर्थिक रूप से अपंग हो गया होता।डॉ मनमोहन सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के साथ मिलकर भारत की आर्थिक दिशा ही बदल दी थी।डॉ. मनमोहन सिंह ने ऐसी नीतियां पेश कीं, जो न केवल उस समय के आर्थिक संकट से उबरने में मददगार रहीं, बल्कि भारत को उच्च विकास पथ पर भी ले गईं।

हालांकि उसके बाद देश की बदहाल अर्थव्यवस्था ने प्रत्येक देशवासी के मन में अनिश्चितता का माहौल व डर पैदा कर दिया है। हर कोई अपने भविष्य को लेकर चिंतित है।सन 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट देखने को मिली। यह चार दशक में पहली बार हुआ जब कोरोनावायरस महामारी की रोकथाम के लिये जारी 'लॉकडाउन की वजह से खपत कम होने और कारोबारी गतिविधियां थमने से चुनौतियों का सामना कर रही घरेलू अर्थव्यवस्था में गिरावट आई थी।हालांकि कोरोनावायरस संकट से पहले भी भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर धीमी पड़ गयी थी और यह छह वर्ष की सबसे निचली दर पर पहुंच गयी थी।सरकार द्वारा आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज में उठाए गए कदम उम्मीदों के अनुरूप नहीं होने, अर्थव्यवस्था की समस्याएं इससे बहुत ज्यादा व्यापक होने के कारण वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में वास्तविक गिरावट आई थी।भारत में कोविड-19 के प्रकोप और लॉकडाउन ने अर्थव्यवस्था में रुकावट पैदा कर दी थी। इससे वित्त वर्ष में वृद्धि तेजी से संकुचित हुई औरआर्थिक गतिविधियां अगले एक साल तक प्रभावित रही। सबसे अधिक रोजगार देने वाला औद्योगिक सेवा क्षेत्र गंभीर रूप से प्रभावित रहा है। उद्योग जगत के दिग्गज और आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों द्वारा बार-बार चेताने के बावजूद भी सरकार गहरी नींद में सो रही है।पहले नोटबंदी,फिर जीएसटी और फिर कोरोना संकट ने व्यापार जगत में भारी तबाही मचाई । इससे छोटे और घरेलू उद्योग तो बंद हो ही गए , वही देश का ऑटो मोबाइल सेक्टर भी दम तोड़ने लगा था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 जुलाई, 2019 को 72.7 करोड़ डालर से घटकर 429.65 अरब डॉलर पर आ गया था।जो लॉक डाउन के बाद तो सबसे निचले पायदान पर पहुंच गया था। रुपये के लगातार कमजोर होने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था फिसलकर कॉफी नीचे आ गई थी।ऐसी हालत कभी आजादी के बाद मिले भारत की थी।फिर भी प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु के प्रयास से वर्ष 1964 में भी भारत अर्थ व्यवस्था में सातवें स्थान पर आ गया था। वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 2024-25 तक 5 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का बड़ा वादा किया था, लेकिन वर्तमान बदहाल आर्थिक संकेत इस बात के सूचक हैं कि उनका यह दावा शायद ही सच पाए।अपने पहले कार्यकाल में मोदी सरकार ने 2 करोड़ नौकरियां देने, किसानों की आय दोगुनी करने, मंहगाई कम करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के वादे किए थे। 2014 से 2019 तक स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, स्टार्टअप और स्टैंडअप इंडिया जैसे प्रोग्राम दिए थे जो अपने लक्ष्यों को प्राप्त नही कर सके और नाकाम रहे।भारत सहित दुनिया के कई देशों में भी आर्थिक गतिविधियों में मंदी के स्पष्ट संकेत दिख रहे हैं। अर्थव्यवस्था के मंदी की तरफ बढ़ने पर आर्थिक गतिविधियों में चौतरफा गिरावट आई है। ऐसे कई दूसरे पैमाने भी हैं, जो अर्थव्यवस्था के मंदी की तरफ बढ़ने का संकेत दे रहे हैं। इससे पहले आर्थिक मंदी ने साल 2007-2009 में पूरी दुनिया में तांडव मचाया था। यह साल सन 1930 की मंदी के बाद सबसे बड़ा आर्थिक संकट था। लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने प्रसिद्ध अर्थशास्त्री होने के नाते देश को आर्थिक संकट से बचा लिया था।लेकिन आर्थिक विकास दर का लगातार गिरना अच्छा नही कहा जा सकता।यदि किसी अर्थव्यवस्था की विकास दर या जीडीपी तिमाही-दर-तिमाही लगातार घट रही है, तो इसे आर्थिक मंदी का बड़ा संकेत माना जाता है। किसी देश की अर्थव्यवस्था या किसी खास क्षेत्र के उत्पादन में बढ़ोतरी की दर को विकास दर कहा जाता है।

यदि देश की विकास दर पर चर्चा की जा रही हो, तो इसका मतलब देश की अर्थव्यवस्था या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) संकट में है।जीडीपी एक निर्धारित अवधि में किसी देश में बने सभी उत्पादों और सेवाओं के मूल्य का जोड़ है।आज तो हालत यह है कि आम लोगों के पास पेट भरने तक के लाले पड़ गए है।ऐसे में कपड़ा,मकान और वाहन के बारे में सोचना भी संभव नही रह गया है।

अर्थव्यवस्था में यदि उद्योग का पहिया रुकेगा तो नए उत्पाद नहीं बनेंगे। इसमें निजी सेक्टर की बड़ी भूमिका होती है। मंदी के दौर में उद्योगों का उत्पादन कम हो जाता। मिलों और फैक्ट्रियों पर ताले लग जाते हैं, क्योंकि बाजार में बिक्री घट जाती है। यदि बाजार में औद्योगिक उत्पादन कम होता है तो कई सेवाएं भी प्रभावित होती है। इसमें माल ढुलाई, बीमा, गोदाम, वितरण जैसी तमाम सेवाएं शामिल हैं।कई कारोबार जैसे टेलिकॉम, टूरिज्म सिर्फ सेवा आधारित हैं, मगर व्यापक रूप से बिक्री घटने पर उनका बिजनेस भी प्रभावित होता है। अर्थव्यवस्था में मंदी आने पर रोजगार के अवसर घट जाते हैं। उत्पादन न होने की वजह से उद्योग बंद हो जाते हैं, ढुलाई नहीं होती है, बिक्री ठप पड़ जाती है। इसके चलते कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी करने लगती हैं। इससे अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी बढ़ जाती है। बचत और निवेश में कमी कमाई की रकम से खर्च निकाल दें तो लोगों के पास जो पैसा बचेगा वह बचत के लिए इस्तेमाल होगा। लोग उसका निवेश भी करते हैं,बैंक में रखा पैसा भी इसी दायरे में आता है।लेकिन पिछले दो ढाई माह में सब कुछ ठप्प सा हो जाने के कारण लोगो की जमापूंजी भी स्वाह हो गई है।इस तरह की मंदी के दौर में निवेश कम हो जाता है क्योंकि लोग कम कमाते हैं। इस स्थिति में उनकी खरीदने की क्षमता घट जाती है और वे बचत भी कम कर पाते हैं। इससे अर्थव्यवस्था में पैसे का प्रवाह घट जाता है।कर्ज की मांग घट जाती है लोग जब कम बचाएंगे, तो वे बैंक या निवेश के अन्य साधनों में भी कम पैसा लगाएंगे। ऐसे में बैंकों या वित्तीय संस्थानों के पास कर्ज देने के लिए पैसा घट जाएगा। अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कर्ज की मांग और आपूर्ति, दोनों होना जरूरी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो अर्थव्यवस्था की मंदी के सभी कारणों का एक-दूसरे से ताल्लुक है। इनमें से कई कारण मौजूदा समय में हमारी अर्थव्यवस्था में मौजूद हैं। इसी वजह से लोगों के बीच आर्थिक मंदी का भय लगातार घर कर रहा है। आम लोगों के बीच मंदी की आशंका गहरी होती जा रही है।हो सकता है सरकार की नई नीतियां इसमे कोई सुधार ला पाए,लेकिन डॉ मनमोहन सिंह जैसे आर्थिक खैवया शायद ही कोई दूसरा पैदा हो।जो समय समय पर भारत के लिए वरदान सिद्ध हुए।

संपादकीय

वक्त की आवाज़

यह सुखद ही है कि जिन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम शुरू होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह फीसदी आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फ चार फीसदी पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है। निश्चित रूप से पानी के समुचित वितरण, बाढ़ नियंत्रण, सूखे से मुकाबले और जलविद्युत उत्पादन में अधिक समानता के लिये ऐसी परियोजना की तार्किकता साबित होती है। इसके बावजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान देने की भी सख्त जरूरत है। शोध अध्ययनों में दावा किया गया है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र में बदलाव ला सकती हैं। साथ ही परेशानी करने वाली जटिल जल-मौसम विज्ञान प्रणालियां विकसित हो सकती हैं। ऐसे में संभावित पारिस्थितिकीय क्षति की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, इस दिशा में आगे चलकर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले नीति-नियंताओं को फिर से परियोजना को तैयार करने पर संभवित प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के लिये तैयार रहना चाहिए। केन-बेतवा परियोजना के जरिये जटिल पर्यावरणीय पैटर्न का समाधान प्रदान करने के लिये विज्ञान सम्मत पहल होनी चाहिए। इसके लाभ व हानि के पक्ष का मंथन भी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि आज भी जल संरक्षण के लिये सामूहिक पहल सार्वजनिक नीति में एक गायब कड़ी बनी हुई है। ऐसे में बड़े पैमाने पर बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ,सरकार को कुशल सिंचाई परियोजनाओं, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और प्रदूषित पानी की स्वच्छता के लिये सस्ती प्रौद्योगिकियों के विकास पर अनुसंधान में तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही पर्याप्त वित्तीय समर्थन की भी जरूरत है। बताया जा रहा है कि केन-बेतवा योजना के सिरे चढ़ने से मध्य प्रदेश की आठ लाख हेक्टेयर से अधिक व उत्तर प्रदेश की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

छत्तीसगढ़ में आरक्षक भर्ती पर सियासत, पारदर्शिता बनाम राजनीति

(लेखक - सत्यप्रकाश दुबे)

छत्तीसगढ़ में हाल ही में पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राजनांदगांव जिले में भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए। इस प्रकरण ने न केवल स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए, बल्कि भाजपा सरकार की पारदर्शिता और प्रशासनिक क्षमता पर भी गहरी बहस छेड़ दी। मामले ने तब और तूल पकड़ा जब गड़बड़ियों के आरोपों की जांच के बाद चार पुलिसकर्मी और दो तकनीकी टीम के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर भर्ती प्रक्रिया को तुरंत रद्द कर दिया गया। यह निर्णय मुख्यमंत्री के स्पष्ट आदेश पर लिया गया, जिन्होंने इस मामले में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने और दोषियों को सख्त दंड देने की आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि, इस घटना ने राज्य की राजनीति को एक नया मोड़ दे दिया है। जहां भाजपा सरकार ने इसे प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक कदम बताया है, वहीं विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे भाजपा सरकार की असफलता और भ्रष्टाचार का उदाहरण बताया।

राजनांदगांव जिले की भर्ती प्रक्रिया में आई गड़बड़ियों ने प्रशासनिक ढांचे में कई खामियों को उजागर किया। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि कई उम्मीदवारों को अनुचित लाभ दिया गया। इन आरोपों के तहत यह बात भी सामने आई कि चयन प्रक्रिया के तकनीकी पहलुओं में हेरफेर किया गया था। जांच समिति ने ऐसे सबूत मिले जो यह पुष्टि करते हैं कि चयन प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन हुआ। इसके बाद, राज्य सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इस भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह से रद्द कर दिया। सरकार ने इस मामले में कठोर कदम उठाते हुए दोषी अधिकारियों और तकनीकी टीम के सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। गिरफ्तार किए गए लोगों पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कुछ उम्मीदवारों को अवैध तरीके से लाभ पहुंचाया। यह मामला छत्तीसगढ़ में पुलिस विभाग की भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। राजनांदगांव की घटना पर भाजपा सरकार ने त्वरित प्रतिक्रिया दी। गृह मंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट किया कि सरकार ऐसी किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं करेगी जो पारदर्शिता और ईमानदारी के खिलाफ हो। उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन सरकार ने इसे गंभीरता से लिया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने भी इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि वह भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। सरकार का यह कदम यह दर्शाता है कि वह प्रशासनिक खामियों को दूर करने और जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस घटना को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह मामला भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता का एक और उदाहरण है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार राज्य में पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही है। कांग्रेस नेताओं ने इसे जनता के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि यह घटना दर्शाती है कि सरकार की नीतियां कमजोर हैं और प्रशासनिक तंत्र में सुधार की सख्त जरूरत है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस मामले में केवल दोषियों की गिरफ्तारी तक ही कार्रवाई सीमित रखी है, जबकि यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता थी कि ऐसी घटनाएं भविष्य में न हों। कांग्रेस ने यह मांग की है कि इस घटना की विस्तृत जांच की जाए और इसमें शामिल सभी लोगों को सख्त सजा दी जाए। भाजपा. और कांग्रेस के बीच इस मामले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तेज हो गई है। जहां भाजपा ने इसे अपनी त्वरित कार्रवाई का उदाहरण बताया है, वहीं कांग्रेस ने इसे सरकार की नाकामी करार दिया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस केवल इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए भुनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। दूसरी ओर, कांग्रेस का कहना है कि यह घटना भाजपा सरकार की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यदि भाजपा सरकार ने भर्ती प्रक्रिया की निगरानी सही तरीके से की होती, तो यह घटना कभी घटित नहीं होती। सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता और निष्पक्षता किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला होती है। यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि सभी उम्मीदवारों को समान अवसर मिले और चयन प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष हो। राजनांदगांव की घटना ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या मौजूदा प्रक्रिया इन मूल्यों को बनाए रखने में सक्षम है। भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी सुधार और मजबूत निगरानी प्रणाली की आवश्यकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि चयन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो और यदि कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो उसे तुरंत दूर किया जाए। छत्तीसगढ़ में आरक्षक भर्ती विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। भाजपा सरकार ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए, लेकिन यह भी आवश्यक है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इस प्रकरण से यह सबक मिलता है कि भर्ती प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सुधारों की जरूरत है। सरकार और विपक्ष दोनों को इस मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग करने के बजाय जनता के हित में कार्य करना चाहिए।

(चिंतन-मनन)

क्रोध पर काबू पाना सीखों

यदि आपको कोई कुत्ता कहता है तो आप उसे भौंकें नहीं बल्कि मुस्कुराएँ। गालियाँ देने वाला स्वयं ही शर्मिन्दा हो जाएगा। अन्यथा सचमुच कुत्ता बन जाओगे। यह बात राष्ट्रसंत मुनिश्री तरुण सागर जी महाराज ने प्रवचन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई आपको गालियाँ देता है और आप उसे स्वीकार नहीं करते तो वह गालियाँ उसी के पास रह जाती हैं। भगवान महावीर को भी लोगों ने गालियाँ दीं। उन्होंने कहा कि जीवन में शांति पाने के लिए प्रोध पर काबू पाना सीख लो। जिसने जीवन से समझौता करना सीख लिया वह संत हो गया। वर्तमान में जीने के लिए सजग और सावधान रहने की आवश्यकता है। तथाकथित आधुनिक सभ्यता एवं पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही नई पीढ़ी को समझाइश देते हुए मुनिश्री ने कहा कि शादी करना है तो जागते हुए करो। परिजनों की मर्जी को दरकिनार कर घर से भागने की प्रवृत्ति आपके जीवन को अंधकारमय बना सकती है। उन्होंने युवतियों से कहा कि कभी भी घर से भागकर शादी मत करना। विधर्मी से शादी करने पर आपको वह सब भी करना पड़ सकता है जिसकी कल्पना आपने कभी न की होगी। उन्होंने कहा कि फिल्म के तीन घन्टे तथा जीवन में काफी अंतर होता है। वास्तु शास्त्र, ज्योतिष व धर्म के नाम पर पाखण्ड एवं ग्लैमर की चकाचौंध को लेकर श्रद्धालुओं को खबरदार करते हुए मुनिश्री ने कहा कि जिसके भाग्य में जो लिखा है वही मिलेगा और परेशान होने से कुछ अतिरिक्त प्राप्त नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च सत्ता ईश्वर ही होता है और वह यदि आपसे नाराज है तो दुनिया की कोई ताकत या वास्तु शास्त्र आदि आपकी मदद नहीं कर सकता।

विचार मंथन

मौन मनमोहन सिंह के फैसलों का दम, सारी दुनिया मुरीद

(लेखक - सनत जैन)

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वर्तमान सत्ताधारी पार्टी ने उन्हें मौन प्रधानमंत्री के रूप में पहचान देने का प्रयास किया। लेकिन मनमोहन सिंह के फैसले हमेशा दम-खम वाले रहे हैं। उन्होंने जब भी बोला, नपा-तुला बोला। एक अर्थशास्त्री के रूप में उनका हर शब्द बहुमूल्य होता था। इसे सारी दुनिया ने स्वीकार किया है। डॉ मनमोहन सिंह की शिक्षा कैंब्रिज विश्वविद्यालय और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में हुई। पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमी में प्रोफेसर के रूप में उन्होंने काम किया। 1971 से उन्होंने भारत में आर्थिक सलाहकार के रूप में सेवा देना शुरू की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, चरण सिंह, राजीव गांधी, चंद्रशेखर, पीवी नरसिम्हा राव के साथ काम किया। उन्होंने हमेशा एक अर्थशास्त्री के रूप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कई प्रधानमंत्रियों और वित्त मंत्रियों के साथ काम करने का लंबा अनुभव था। बैंकों का राष्ट्रीयकरण पंचवर्षीय योजनाओं के लिए मजबूत धन प्रबंधन, हरित क्रांति, योजना आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने जो असाधारण कार्य किया है। इसकी प्रशंसा समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और उसके बोर्ड आफ गवर्नर्स में होती रही है। उन्होंने भारतीय एवं वैश्विक अर्थ-व्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 1998 में वह राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष बने। उस रूप में भी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई उनसे परामर्श लेते रहे हैं। 2004 से 2014 तक वह स्वयं प्रधानमंत्री बने। शिक्षाविद और अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह कभी राजनेता नहीं बन पाए। उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व को 1971 के बाद से ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जो योगदान दिया है। उसकी प्रतिपूर्ति किसी अन्य के द्वारा संभव हो, ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता है। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने 2004 से 2014 के बीच में एसे निर्णय किये, जिनकी सारी दुनिया में प्रशंसा हुई। शिक्षा का अधिकार कानून का उनके कार्यकाल में मौलिक अधिकार में जोड़ा गया। सूचना का अधिकार कानून, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था एवं प्रशासकीय व्यवस्था को पारदर्शी बनाया। उन्हीं के कार्यकाल में रोजगार गारंटी योजना मनरेगा आई। जिसकी सराहना विश्व बैंक ने भी की। इससे ग्रामीण अंचलों में विकास की नई गंगा बही। 2009 में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण का गठन उन्होंने ही किया था। जिसे आज आधार के नाम से जाना जा रहा है। 2006 में उन्होंने तमाम विरोधों के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच में परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए। परमाणु हथियारों के मामले में भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र बना। भारत और अमेरिका के संबंध उन्हीं के कार्यकाल में मधुर होने शुरू हुए। डॉ मनमोहन सिंह ने भूमि अधिग्रहण कानून में सुधार किया। जिससे लोगों को उचित मुआवजा मिलने का रास्ता खुला। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून से दो तिहाई गरीब-गुरबों

की आबादी को जोड़कर सबसे सस्ते रेट में खाद्यान्न उपलब्ध कराने की। व्यवस्था शुरू की 2008 में जब अमेरिका में आर्थिक मंदी आई थी। तब सारी दुनिया में भारत की खूब चर्चा हुई। अमेरिका की आर्थिक मंदी का कोई विशेष असर भारत के ऊपर नहीं पड़ा। इसको लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्र के मामले में अपना गुरु मान लिया। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह चूंकि राजनेता नहीं थे अतः उन्हें राजनेताओं जैसे छल कपट करना नहीं आता था।

उनका प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का भी कोई मन नहीं था। जब भी उन्हें जो भी दायित्व सौंपा गया उन्होंने पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ उस दायित्व का निर्वाह किया है। एक शिक्षाविद के नाते संस्कारों के साथ उन्होंने हर दायित्व को बखूबी निभाया है। आज जो भारत दिख रहा है। भारत ने जो भी प्रगति की है उसमें 50 साल की मेहनत अर्थशास्त्र के रूप में डॉक्टर मनमोहन सिंह की है। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता है। आज वह हमारे बीच नहीं है, लेकिन जिस तरह से उन्होंने 1971 से लेकर 2014 तक अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वाह किया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। आज देश ने अपने एक ऐसे सपूत को खोया है, जिसकी भरपाई किसी भी कीमत में संभव नहीं है। पिछले 10 वर्षों में उनके बारे में बहुत सारी बातें वर्तमान सत्ताधारी दल के लोगों द्वारा कही गई है। लेकिन सही मायने में स्वतंत्रता के बाद यदि किसी व्यक्ति को भारत के नवनिर्माण का श्रेय दिया जा सकता है, तो उसका श्रेय डॉक्टर मनमोहन सिंह को जाता है। निश्चित रूप से सत्ता में रहते हुए उन्होंने जिस तरह से अपने मानव जीवन को बिना किसी भेदभाव के सार्थक किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ममता मशीनरी का शेयर अपने निर्गम मूल्य से 147 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । पैकेजिंग मशीन बनाने वाली कंपनी ममता मशीनरी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 243 से करीब 147 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 146.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 600 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसके बाद यह 159.23 प्रतिशत चढ़कर 629.95 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 600 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,550.17 करोड़ रुपये रहा। ममता मशीनरी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के पिछले सोमवार तक कुल 194.95 गुना अभिदान मिल था। कंपनी के 179 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 230-243 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था। ममता मशीनरी पैकेजिंग उद्योग के लिए विनिर्माण समाधान प्रदान करती है। कंपनी अपनी मशीनें 'वेगा' और 'विन' ब्रांड नामों के तहत बेचती है।

एयर इंडिया में बदलाव के प्रयास- कैंपबेल विल्सन

कंपनी में 2025 तक विभिन्न प्रमुख पहलों पर प्रगति देखने को मिलेगी

नई दिल्ली । एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को एक बड़ा आलोचनात्मक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि कंपनी में 2025 तक विभिन्न प्रमुख पहलों पर प्रगति देखने को मिलेगी। इसके अंतर्गत चौड़े तथा छोटे आकार के विमानों की मरम्मत भी शामिल है। ताजा सूचनाओं के अनुसार, टाटा समूह ने एयर इंडिया को हाल ही में खरीदा और अब कंपनी को पटरी पर लाने के लिए महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना पर काम कर रहा है। जिसके तहत इसने हाल ही में 100 विमानों के लिए भी ऑर्डर दिया है। विल्सन ने कर्मचारियों को 2024 में होने वाली महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में संदेश दिया और कहा कि हमारा उद्देश्य है कि एयर इंडिया 2024 में प्रमुख परिवर्तनों में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस समय कंपनी का वित्त भी मजबूत है, वहीं एयर इंडिया के विमानों का कारोबार पिछले वर्ष से 23.69 फीसदी बढ़कर 38,812 करोड़ रुपये हो गया है। विल्सन ने अपने विचारों में यह भी कहा कि कंपनी के आने वाले वर्ष में अपनी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाकर मुनाफे में आने की कोशिश की जाएगी।

कोयला सेक्टर में 2025 में अनेक गतिविधियां की संभावना

गैसीकरण क्षेत्र में भी सरकार अधिक काम करने की बना रही योजना

नई दिल्ली । कोयला सेक्टर में आगामी वर्ष 2025 में भारत में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां होने की संभावना है। इसमें सरकार की कोल एक्सचेंज की शुरुआत सहित अनेक पहल सम्मिलित हैं। कोयले के व्यापार को सुगम बनाने के लिए एक कोल एक्सचेंज की शुरुआत की जा रही है, जिससे अर्थव्यवस्था की मांग पूरी की जा सके। कोयला गैसीकरण क्षेत्र में भी सरकार अधिक काम करने की योजना बना रही है, क्योंकि यह ऊर्जा बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोयले की मांग के बढ़ने के साथ, कोयले अतिरिक्त सचिव ने बताया कि सरकार कोयले के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। सार्वजनिक क्षेत्र की खदानों में उत्पादन दर में उत्कृष्ट वृद्धि की गई है। उम्मीद है कि 2025 में इस वृद्धि जारी रहेगी। विभिन्न स्रोतों से बिजली की मांग में वृद्धि के कारण, थर्मल कोयले का उत्पादन संभावित है कि 8-10 प्रतिशत बढ़े। यह वृद्धि निजी खदानों द्वारा संचालित होने की उम्मीद है। कोयले के सेक्टर में इन गतिविधियों की संभावना से विभिन्न क्षेत्रों में विकास की सामर्थ्य बढ़ेगी और देश की अर्थव्यवस्था मिलकर मजबूत होगी।

पेट्रोल 95 और डीजल 88 रुपए लीटर

- ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 73.19 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार चढ़ाव देखा जा रहा है। जिसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल पर पड़ता है। वै श्विक बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली है, जिसके बाद देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आई है।

हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे शहरों में तेल के दाम स्थिर बने हुए हैं। शुक्रवार को सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी किए गए नए भाव के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 34 पैसे सस्ता होकर 94.71 रुपए लीटर बिक रहा है।

जबकि डीजल भी 38 पैसे गिरा और 87.81 रुपए लीटर पहुंच गया है। वहीं बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 58 पैसे गिरावट के साथ 105.53 रुपए लीटर तो डीजल 55 पैसे टूटकर 92.37 रुपए लीटर बिक रहा है।

इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में भी पेट्रोल 7 पैसे गिरकर 99.64 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 6 पैसे टूटकर 84.82 रुपए लीटर हो गया है। कच्चे तेल की कीमतों में भी मामूली गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 73.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 69.57 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर है। श्रीनगर में पेट्रोल 99.64 रुपए और डीजल 84.82 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपए और डीजल 87.81 रुपए प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.53 रुपए और डीजल 92.37 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

रुपया सबसे निचले स्तर पर बंद

मुंबई ।

अअमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 23 पैसे टूटकर सबसे निचले स्तर 85.50 पर बंद हुआ। इससे पहले मुद्रा के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया आठ पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 85.35 पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार महीने तथा साल के अंत में भुगतान दायित्वों के लिए आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ती मांग से डॉलर को मजबूती मिली जिससे स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने भारतीय मुद्रा की गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.31 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 85.35 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.27 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.93 पर रहा।

अल्ट्राटेक 851 करोड़ में खरीदेगी प्रवर्तकों से स्टार सीमेंट में हिस्सेदारी

स्टार सीमेंट की स्थापित क्षमता 77 लाख टन प्रति वर्ष है

नई दिल्ली । प्रमुख सीमेंट उत्पादक अल्ट्राटेक सीमेंट ने मेघालय के प्रमुख सीमेंट कंपनी स्टार सीमेंट के प्रवर्तकों से 8.69 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की है। इस अल्पांश का मूल्य 851 करोड़ रुपये है। स्टार सीमेंट की स्थापित क्षमता 77 लाख टन प्रति वर्ष है और यह पूर्वोत्तर भारत के बाजार में प्रस्तुत है। अल्ट्राटेक ने मेघालय में दक्षिण के स्टार सीमेंट कंपनी की अनुषंगी कंपनी बनने के लिए यह अधिग्रहण किया है। भारतीय वित्तीय वार्षिक रिक्तियों 9 सितंबर को मान्यता प्राप्त की थी। अल्ट्राटेक ने इस अधिग्रहण के लिए 3.70 करोड़ शेयरों की अल्पांश हिस्सेदारी को खरीदने का निर्णय लिया है। अल्ट्राटेक ने यह भी दावा किया है कि अधिग्रहण की लागत 235 रुपये प्रति शेयर से ज्यादा नहीं होगी। इसमें एसटीटी, स्टांप ड्यूटी और अन्य शुल्क शामिल नहीं होंगे। अल्ट्राटेक के अनुसार स्टार सीमेंट के कुछ प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह इकाइयां उनकी हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव दे रही हैं और कंपनी से संपर्क किया है। अल्ट्राटेक ने यह भी कहा कि इस अधिग्रहण की कीमत एसटीटी को छोड़कर 851 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगी।

UltraTech CEMENT
The Engineer's Choice

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बंबई शेयर बाजार का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 226.59 करीब 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ ही 78,699.07 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 63.20 अंक तकरीबन 0.27 फीसदी ऊपर आकर 23,813.40 अंक पर बंद हुआ.

आज बीएसई सेंसेक्स के 19 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, सनफार्मा, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी और आईटीसी के शेयरों में उछाल आया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो और टाइटन के शेयरों में गिरावट रही।

दूसरी ओर निफ्टी के 30 शेयर बढ़त पर रहे जबकि 20 शेयरों में गिरावट रही । बजाज ऑटो, आयशर मोटर्स, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक और डॉ रेड्डी में उछाया आया जबकि हिंडाल्को, भारतीय स्टेट बैंक, कोल इंडिया, ओएनजीसी और भारत इलेक्ट्रिक लिमिटेड के शेयर गिरे हैं।

गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें, तो जापान के निक्केई और चीन के शंघाई कंपोजिट में बढ़त रही जबकि हांगकांग के हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट आई। एशियाई बाजारों में उछाल रहा जबकि अमेरिकी बाजारों में गत दिवस गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार की ठोस शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 242.78 अंक की बढ़त के साथ 78,715.26 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 23,801.40 अंक पर खुला।

एनटीपीसी आरईएल की सादला सौर परियोजना से 37.50 मेगावाट वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू

एनटीपीसी का लक्ष्य 2032 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करना

नई दिल्ली ।

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के सादुला में स्थित सौर पीवी परियोजना की 200 मेगावाट क्षमता में से 37.50 मेगावाट की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी है। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो एनटीपीसी की स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता को 76,598.18 मेगावाट तक पहुँचा देता है।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से गुजरात में स्थित सादुला परियोजना के 37.50 मेगावाट की नई क्षमता का वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू होने के साथ ही एनटीपीसी का लक्ष्य है 2032 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करना। उनका और एक लक्ष्य है 2032 तक 60 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करना। एनटीपीसी के इस कदम से एनटीपीसी के एक अे धिकारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है पर्यावरण को सुरक्षित बनाने और मानव समुदाय को उचित ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए अधिक सौर ऊर्जा

उत्पादन क्षमता हासिल करना। इसके साथ ही उन्होंने इस समाधान को भी साझा किया कि उनका लक्ष्य है भारत को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा प्रणाली प्रदान करना। एनटीपीसी अपने प्रयासों के माध्यम से भारत का ऊर्जा स्वावलंबन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस कदम से एनटीपीसी ने अक्षय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के मामले में एक अच्छी दिशा में कदम रखा है।

ट्रांसरेल लाइटिंग का शेयर 37 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

शेयर अपने निर्गम मूल्य 432 रुपये से करीब 37 प्रतिशत तक उछला

नई दिल्ली । ट्रांसरेल लाइटिंग का शेयर अपने निर्गम मूल्य 432 रुपये से करीब 37 प्रतिशत चढ़कर शुक्रवार को सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 585.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 35.45 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। बाद में यह 39.81 प्रतिशत चढ़कर 604 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 36.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 590 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 7,757.31 करोड़ रुपये था। ट्रांसरेल लाइटिंग के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के अंतिम दिन सोमवार को 80.80 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 839 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 410-432 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। ट्रांसरेल लाइटिंग देश की अग्रणी इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) कंपनियों में से एक है। इसकी 58 से अधिक देशों में मौजूदगी है।

तीसरी तिमाही में बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

- ग्रामीण मांग मजबूत, पर नई चुनौतियों से खतरा

नई दिल्ली ।

नई चुनौतियों के बीच आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बेहतर रहने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय ने एक मासिक रिपोर्ट जारी कर कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में नरमी के बाद तीसरी तिमाही का परिदृश्य बेहतर दिखाई दे रहा है। इसका पता अक्टूबर व नवंबर के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ों (जीएसटी संग्रह, पीएमआई आदि) से चलता है। इसके अलावा ग्रामीण मांग मजबूत है। अक्टूबर-नवंबर, 2024 में दोपहिया-तिपहिया वाहनों की बिक्री 23.2 फीसदी बढ़ी है। ट्रैक्टर और यात्री वाहनों की बिक्री में क्रमशः 9.8 फीसदी व 13.4 फीसदी तेजी रही है। रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, जलाशय में जल स्तर का अधिक होना और पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता रबी बुवाई के लिए अच्छा संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शेयर बाजार का ऊंचा स्तर बड़ा जोखिम पैदा कर रहा है। डॉलर की मजबूती और अमेरिका में नीतिगत दर पर पुनर्विचार ने उभरते बाजार की मुद्राओं को दबाव में ला दिया है। इससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति-निर्माताओं को नीतिगत दरों के बारे में और अधिक गहराई से सोचने की जरूरत है। इसमें आगे कहा गया है कि कृषि क्षेत्र का दृष्टिकोण आशावादी है। इससे उम्मीद बंधी है कि खाद्य कीमतों का दबाव धीरे-धीरे कम होगा।

फुटवियर कंपनी रेडटेप ने किया बोनस इश्यू और डिविडेंड का ऐलान

कंपनी 3:1 के रेश्यों में बोनस शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली ।

किफायती फुटवियर ब्रांड रेडटेप ने नये साल पहले अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू और डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह 3:1 के रेश्यों में बोनस शेयर जारी करेगी। इसके साथ ही 2 रुपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड भी जारी करेगी। बोनस शेयर यानी हर 1 शेयर रखने वाले निवेशक को 3 नए शेयर मुफ्त में दिए जाएंगे। हालांकि अभी शेयरधारकों की मंजूरी बाकी है।

कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि अंतरिम डिविडेंड के लिए पात्र शेयरधारकों की पहचान के लिए रिकॉर्ड तारीख 3 जनवरी तय की गई है। वहीं बोनस शेयरों के लिए अभी तक रिकॉर्ड डेट नहीं निर्धारित की गई है, जिसके लिए कंपनी बाद में अपडेट जारी करेगी। ऐसे में जिन शेयरधारकों का नाम रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के रजिस्टर में शामिल होगा, उन्हें डिविडेंड का लाभ मिलेगा। वहीं डिविडेंड का लाभ उठाने के लिए निवेशकों के पास 2 जनवरी 2025 तक शेयर खरीदना मौका है। रेडटेप का यह कदम उसकी इक्विटी कैपिटल में भारी बढ़ोतरी करेगा। मौजूदा समय में कंपनी की पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल 27.64 करोड़ है, जो 13.82 करोड़ शेयरों में विभाजित है। बोनस शेयर इश्यू के बाद यह पूंजी बढ़कर 110.56 करोड़ रुपये हो जाएगी और कुल शेयरों की संख्या 55.28 करोड़ हो जाएगी। गौरतलब है कि यह रेडटेप का पहला बोनस शेयर इश्यू है, कंपनी ने इससे पहले कभी बोनस इश्यू नहीं जारी किया है।

बोइंग और एयरबस को टक्कर दे रही एंब्रेयर, जल्द ही दुनिया की दूसरी बड़ी एयरक्राफ्ट कंपनी होगी

लंदन ।

अजरबैजान एयरलाइंस का एक विमान कजाखस्तान में हादसे का शिकार हुआ। इसमें 38 यात्रियों की मौत हुई, जबकि 29 लोग घायल हो गए। यह विमान बाकू से रूस के ग्रोज्नी जा रहा था। विमान में कुल 62 यात्री और पांच क्रू मेंबर चालक दल के सदस्य थे। विमान के पक्षियों के झुंड के टकराने के कारण पायलट को एमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लेना पड़ा। इस दौरान विमान में आग लग गई और वह दो टुकड़ों में टूट गया। विमान से दो बच्चों सहित 29 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

कजाखस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ अजरबैजान एयरलाइंस का विमान एंब्रेयर कंपनी का था। यह कंपनी का ईआरजे-190 विमान था जो 11 साल पुराना था। जब भी एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनियों की चर्चा होती हैं, तब सबके जेहन में बोइंग और एयरबस का नाम आता है। बोइंग अमेरिका की कंपनी है, जबकि एयरबस यूरोपीय। लेकिन हाल के वर्षों में ब्राजील की एक कंपनी ने बोइंग और एयरबस से लोहा ले रही है। इस कंपनी का नाम एंब्रेयर है। हाल के वर्षों में बोइंग के विमानों के साथ कई तरह की समस्याएं आई हैं। इस कारण एंब्रेयर को अपना मार्केट बढ़ाने का मौका मिला है।

बताया जा रहा हैं कि जल्दी ही यह बोइंग को पछाड़कर दुनिया की दूसरी बड़ी एयरक्राफ्ट मेकर कंपनी बनेगी। इसकी वजह यह है कि अमेरिका की कई बड़ी एयरलाइन कंपनियां भी अब एंब्रेयर के विमान खरीद रही है। इतना ही नहीं सिंगापुर एयरलाइन सहित दुनियाभर की कई एयरलाइंस भी एंब्रेयर के विमानों पर दांव लगा रही हैं। भारतीय वायु सेना को मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की आपूर्ति के लिए एंब्रेयर ने इस साल फरवरी में महिंद्रा से हाथ मिलाया था। अभी भारतीय एयरलाइन कंपनियों, चार्टर्ड कंपनियों और डिफेंस फोर्सेज के पास 44 एंब्रेयर विमान हैं। कंपनी भारत में मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए मोदी सरकार और दिग्गज कंपनियों से बातचीत कर रही है। इसकी वजह यह है कि देश में अगले कुछ वर्षों में विमानों को मांग में काफी तेजी आने की उम्मीद है।

बढ़ रहा क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का आकर्षण

- औसतन दिल्ली के हर ग्राहक ने एक साल में खर्चे 20 लाख रुपये

नई दिल्ली ।

त्वरित डिलीवरी सुविधाओं के माध्यम से ऑनलाइन खरीदारी का माहौल बदल रहा है। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लोग अब सिर्फ खाद्य आइटम नहीं बल्कि अन्य उत्पादों की भी खरीदारी कर रहे हैं। स्विगी इंस्टामार्ट की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली और देहरादून के ग्राहकों ने प्रति दिन औसतन 20 लाख रुपये से अधिक की खरीदारी की है। वैलेंटाइन्स डे पर गुलाब फूल के 307 ऑर्डर प्रतिमिनट आने वाले हैं। दिवाली के दिन भी 45 लाख रुपये से अधिक की झाड़ू की बिक्री हुई। रक्षा बंधन के दौरान 8,00,000 राखियों के ऑर्डर प्लेस किए गए। देशभर में दूध, दही, डोसा बैटर, चिप्स, और सॉफ्ट ड्रिंक जैसे उत्पादों की खरीदारी में वृद्धि हुई है। विशेष रूप से दिल्लीवाले ने इंस्टेंट नूडल्स पर 60 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। एक स्पेसिव खरीदारी की ओर देखते हुए अहमदाबाद में सोने के सिक्के, चेन्नई में इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और हैदराबाद में आम खरीदने पर भी भारी राशि खर्च की गई है। त्वरित डिलीवरी के चलते लोग अब अपने खर्च करने के अंदाज में भी बदलाव देख रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी की यह तेजी जारी रहे तो यह समय दिखाएगा कि इसमें और क्या बदलाव आएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दीप्ति के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज 3-0 से जीती

वड़ोदरा (एजेंसी)। दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड प्रदर्शन की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय मैच में भी वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 162 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने 28.2 ओवरों में ही 167 रन बनाकर हासिल कर लिय। भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक नाबाद 39 रन दीप्ति ने बनाये। वहीं इससे पहले गेंदबाजी के दौरान भी दीप्ति ने छह विकेट लिए थे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 23 रनों के अंदर ही अपने दो विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना केवल 4 रन रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। वहीं हरलीन देओल के रन ही बना पायीं। इसके बाद प्रतिका रावल ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ स्कोर आगे बढ़ाया। प्रतिका 10वें ओवर में 18 रन बनाकर हेली मैथ्यूज का शिकार बनी। इसके बाद हरमनप्रीत कौर भी 32 रन बनाकर आउट हो गयीं।

ऐसे में जेमिमाह रॉड्रिग्स और दीप्ति ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिये 56 रन बनायेई। जेमिमाह 29 बनकार आउट हुईं। इसके बाद भी दीप्ति डटी रहीं उन्होंने ऋचा घोष के साथ बल्लेबाजी करते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। दीप्ति शर्मा ने 48 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 39 रन बनाये। वहीं ऋचा घोष ने 11 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए तेजी से नाबाद 23 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम ने 28.2 ओवरों में ही 167 रन बनाकर मुकाबला 3-0 से जीत लिया। वेस्टइंडीज की ओर से डिएंड्रा डॉटिन, आलिया ऑलेन, हेली मैथ्यूज, करिश्मा रामहैक और ऐफी फ्लेचर ने एक-एक विकेट लिया।

वहीं इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए वेस्टइंडीज टीम भारतीय गेंदबालों का सामना नहीं कर पायी। दीप्ति शर्मा ने छह विकेट जबकि रेणुका सिंह ने चार विकेट लिए। वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने केवल नौ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। इसके बाद शमैन कैंपबेल और शिनेल हेनरी की जोड़ी ने पारी को संभाला। शिनेल हेनरी ने 72 गेंदों में 5 चौके और तीन छक्के लगाते हुए सबसे अधिक 61 रन बनाये। वहीं आलिया ऑलेन ने 21 रन बनाये बाकि बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पायीं।

पोंटिंग सहित कई पूर्व दिग्गजों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट की पहली पारी में भी असफल रहे और केवल तीन रन ही बना पाये। इसी को लेकर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस प्रकार पैट कमिंस की एक अच्छी गेंद को भारतीय कप्तान ने खेला वह निराशाजनक था। पोंटिंग के अनुसानर मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप का सामना करते समय आपको हमेशा तैयार रहने के साथ ही सही फैसले लेने चाहिए।

रोहित इस सीरीज में पहली बार पारी की शुरुआत करने उतरे थे पर वह उसमें विफल रहे। इससे पहले दूसरे और तीसरे टेस्ट में वह मध्यक्रम पर उतरे थे लेकिन वहां भी वह रन नहीं बना पाये। इस बार रोहित ने पारी की शुरुआत करते हुए कमिंस की गेंद पर एक पुल शॉट खेला पर गेंद ठीक से बल्ले पर नहीं आयी और वह कैच हो गये। इस शॉट की आलोचना करते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि ये एक बेमन से लगाया शॉट था जिसके लिए रोहित ने ठीक से प्रयास नहीं किया। उन्होंने अपनी जगह पर खड़े-खड़े खेलने का प्रयास किया।

इस प्रकार के शॉ को प्रतिबद्ध होकर लगाया नहीं कहा जा सकता है। वह आक्रामक भी नहीं लग रहे थे। वह बस गेंद को किसी प्रकार दिशा देने का प्रयास करते हुए दिखे। अगर आप इस तरस से ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का सामना करते हैं तो आपको सावधान रहना होगा और अच्छे निर्णय लेने होंगे। वहीं अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो वे हर बार अपना विकेट गंवा देंगे।

इसी प्रकार के विचार ऑस्ट्रेलिया के ही पूर्व क्रिकेटर डेरेन लेहमैन ने व्यक्त किये हैं। उन्होंने कहा, अगर हिट करने जा रहे हैं तो उसे हिट करें रोहित। आप एक क्लास खिलाड़ी हैं, आपको वास्तव में इसे स्वीकार करना चाहिए। आउटफील्ड में बहुत जगह है, इसे स्वीकार करें और शॉट खेलें। इसके अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी रोहित के आलसी रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बड़ी गलती है, यह एक बेकार शॉट था। वह पारी की शुरुआत में ही गति और उछाल जाने बिना ही गेंद को हिट करने का प्रयास करता है जो सही नहीं है। रोहित पिछले कुछ सयम से लगातार खराब दौर से गुजर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे।

हम अभी भी वापसी कर सकते हैं और लड़ाई जारी रख सकते हैं : वाशिंगटन सुंदर

मेलबर्न (एजेंसी)। ज्यादातर मजबूत बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद भारत को उम्मीद होगी वाशिंगटन सुंदर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करेंगे और तमिलनाडु का यह ऑलराउंडर भी एमसीजी पर अपनी टीम के लिए योगदान देने के लिए दृढ़ है। वाशिंगटन अच्छी तरह से समझते हैं कि भारतीय टीम प्रबंधन आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उससे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है।

ऋषभ पंत (6) और रविंद्र जडेजा (4) भारत की पहली पारी को पांच विकेट पर 164 रन से आगे बढ़ाएंगे जबकि वाशिंगटन अगले नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे। वाशिंगटन से जब पूछा गया कि टीम प्रबंधन की उम्मीदों के अनुकूल प्रदर्शन करने के लिए वह अपने खुद को किस तरह तैयार करते हैं तो उन्होंने कहा, 'क्या यह शानदार नहीं है कि टीम चाहती है कि मैं खेल के तीनों पहलुओं में अच्छा प्रदर्शन करूं। यह मेरे लिए एक शानदार मौका है।'

उन्होंने कहा, 'टीम की जो भी जरूरत होगी उसे पूरा करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। मैं चाहे मैच के दौरान किसी भी स्थिति में क्यों नहीं रहूं, यह मैदान पर डटे रहने और सही ऊर्जा से खेलने तथा टीम के लिए काम करने के बारे में है।' उन्होंने स्वीकार किया कि वे अच्छी स्थिति में नहीं हैं लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार कर दिया कि वे चुनौती नहीं दे सकते। उन्होंने कहा, 'हम बड़ा स्कोर बनाने के लिए अच्छी स्थिति में थे लेकिन हम वापसी करेंगे और कल सुबह संघर्ष जारी रखेंगे।'

भारतीय टीम ने यशस्वी के अर्धशतक से पहली पारी में बनाये 164/5

-स्मिथ के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बनाये 474

मेलबर्न (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल की 82 रनों की शानदार पारी की सहायता से भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 164 रन बनाये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत 6 और रविन्द्र जडेजा 4 रनों पर खेल रहे थे। वही इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए हैं। ऐसे में भारतीय टीम अब भी उससे 310 रनों से पीछ है। दूसरे दिन के खेल में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही। बल्लेबाजी के दौरान जहां स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं इसके बाद उसके गेंदबाजों ने आधी भारतीय टीम को पेवेलिन भेज दिया।

अंतिम सत्र में मेजबान टीम हावी हो गयी। 474 रनों का पीछ करते हुए एक समय भारतीय टीम ने दो विकेट पर 153 रन बनाये थे। इसके बाद छह रनों के अंदर ही भारतीय टीम ने तीन और विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बदकिस्मती से रन आउट हो गये। यशस्वी ने कोहली के साथ 102 रन की साझेदारी की। यशस्वी के रन आउट होते ही भारतीय टीम दबाव में आ गयी। यशस्वी 82 रन बना सके जबकि विराट कोहली ने 36 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे आकाश दीप भी शून्य पर ही आउट हो गये।

भारतीय पारी की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा तीन रन और केएल राहुल 24 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन के 6 विकेट पर 311 रनों से आगे खेलते हुए अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक चार विकेट लिए। मेजबान टीम की पहली पारी में शीर्ष क्रम के सभी 4 बल्लेबाजों ने 50 से अधिक रन बनाये जबकि स्मि?थ ने 140 रन बनाकर सीरीज का अपना दूसरा शतक लगाया। भारतीय टीम की ओर से बुमराह के 4 विकेट के अलावा रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। आकाश दीप को 2, वाशिंगटन सुंदर को 1 विकेट मिला।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी रही। 19 साल के सैम कोंस्टास ने अपने डेब्यू मैच में ही अर्धशतक लगाकर टीम को शानदार शुरुआत दी। फिर कोंस्टास ने 11वें ओवर में बुमराह की गेंदों पर कुल 18 रन बनाये। कोंस्टास ने तूफानी बल्लेबाजी जारी रखी और सिर्फ 52 गेंदों पर अर्धशतक लगा दिया। इसके बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने संभलकर खेले और दोनों ने 65 रनों की साझेदारी बनायी। 237 के स्कोर पर जहां लाबुशेन 72 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ट्रेविस हेड 0 पर बुमराह की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। आकाश दीप ने एलेक्स कैरी को 31 रन पर पेवेलिसन भेजा।

दूसरे दिन के खेल के पहले सत्र का आकर्षण स्मिथ की शानदार पारी रही। स्मिथ ने 9 चौके और दो छक्के की मदद से 167 गेंदों पर अपना शतक लगाया। स्मिथ का ये लगातार दूसरा शतक रहा स्मिथ ने टेस्ट करियर का यह 34वां और भारत के खिलाफ 11वां टेस्ट शतक बनाया। स्मिथ अब भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। स्मिथ और पैट कमिंस के बीच सातवें विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी हुई। कमिंस 49 रन बनाकर रवींद्र जडेजा की गेंद पर नीतीश रेड्डी के हाथों कैच हुए। आठवें विकेट मिचेल स्टार्क का गिरा। मिचेल ने 15 रन बनाये। इसके बाद स्मि?थ भी 150 रन बनाकर आउट हो गये। अंतिम विकेट नाथन लॉयन 13 का गिरा जबकि स्कॉट बोलैंड 6 रन बनाकर नाबाद रहे।

पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर क्रिकेटरों ने शोक जताया

नई दिल्ली । पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर पूर्व क्रिकेटरों ने भी शोक व्यक्त किया है। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया में लिखा, पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह एक सज्जन व्यक्ति और एक दूरदर्शी नेता थे, उनके आकस्मिक निधन की खबर से दुखी हूं। संकट के समय में उनका शांत और स्थिर नेतृत्व, जटिल राजनीतिक हालातों से निपटने की उनकी क्षमता उन्हें औरों से अलग करती थी। राष्ट्र डॉ. साहब को उनके योगदान के लिए सदैव याद रखेगा। उनके परिवार और रिश्तेदारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। सतनाम वाहेगुरु । वहीं सुरेश रैना ने लिखा, उनकी आत्मा को शांति मिले। वहीं वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, हमारे पूर्व प्रधान मंत्री श्री मनमोहन सिंह जी के निधन पर मेरी हार्दिक संवेदना। ऊँ शांति

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने लिखा, डॉ. मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी नेता और आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे जिन्होंने आधुनिक भारत को आकार दिया। उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता और राष्ट्र के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। इसके अलावा भी कई अन्य क्रिकेटरों ने संवेदानाएं जताई हैं।

मेलबर्न क्रिकेट क्लब ने सचिन तेंदुलकर को किया क्लब सदस्यता से सम्मानित

मेलबर्न - मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने शुक्रवार को कहा कि महान भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने इस प्रतिष्ठित संस्था का मानद सदस्य बनने का उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने खेल क्लबों में से एक एमसीसी की स्थापना 1838 में हुई थी। यह खेल के प्रमुख स्थानों में से एक मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) के प्रबंधन और विकास के लिए जिम्मेदार है। एमसीसी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'एक 'आइकन' को सम्मानित किया गया। एमसीसी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान को स्वीकार करते हुए मानद क्रिकेट सदस्यता स्वीकार कर ली है।' तेंदुलकर एमसीजी में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज है। उनके नाम इस मैदान में पांच टेस्ट मैचों में 44.90 के औसत और 58.69 के स्ट्राइक रेट से 449 रन है। उन्होंने इस मैदान पर एक शतक और तीन अर्द्धशतक जड़े हैं। इससे पहले 2012 में तेंदुलकर को देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' से सम्मानित किया गया था। एमसीजी वर्तमान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है।

एडेन मारक्रम ने पस्त किए पाकिस्तान गेंदबाजी, टीम को मिली 90 रन की बढ़त

सेंचुरियन (एजेंसी)। एडेन मारक्रम (89) और कॉर्बिन बॉश (नाबाद 81) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को 301 रनों का स्कोर खड़ा कर पाकिस्तान के खिलाफ 90 रनों की बढ़त ले ली है। दक्षिण अफ्रीका ने कल के 3 विकेट पर 82 रन से आगे खेलना शुरु किया। दक्षिण अफ्रीका का चौथा विकेट कप्तान तेम्बा बवूमा (31) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये डेविड बेडिंघम ने एडन मारक्रम के साथ पारी को संभाला। नसीम शाह ने बेडिंघम (30) को आउट कर इस बढ़ रही साझेदारी को तोड़ा। काइल वेरेन और माकर यानसन (दो-दो) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे संकट के समय में बल्लेबाजी करने आए कॉर्बिन बॉश शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे।

56वें ओवर में खुर्रम शहजाद ने एडन मारक्रम को रिजवान के हाथों कैच आउट करा दिया। मारक्रम ने 144 गेंदों में (89) रनों की पारी खेली। सैम अयूब ने डेन पैटरसन (12) को आउट कर दक्षिण अफ्रीकी पारी का अंत किया। कॉर्बिन बॉश (81) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 73.4 ओवर में 301 रनों का स्कोर खड़ा करते हुए पाकिस्तान की पहली पारी के आधार पर 90 रनों की बढ़त ले ली है। पाकिस्तान की ओर से खुर्रम शहजाद और नसीम शाह ने तीन-तीन विकेट लिए और मोहम्मद अब्बास और सैम अयूब को 1-1 विकेट मिला। आमेर जमाल ने 2 बल्लेबाजों को आउट किया। इससे पहले पाकिस्तान ने पहली पारी में 211 रन बनाए थे।

सिमोना हालेप ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग से हटीं

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) । दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने घुटने और कंधे में दर्द के कारण बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग और तैयारी के लिए न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। हालेप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अबुधाबी में एक प्रदर्शनी मैच में भाग लेने के बाद वह अस्वस्थ महसूस कर रही थीं। हालेप ने लिखा कि अपनी टीम के साथ लंबी चर्चा करने के बाद हम इस बात पर सहमत हुए कि सत्र की शुरुआत में देरी करना समझदारी है। मैं यह नहीं चाहती थी। रोमानिया की इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह अपने देश में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में भाग लेने की योजना बना रही हैं जो तीन फरवरी से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग मैच छह जनवरी से शुरू होंगे और मुख्य 12 जनवरी से आरंभ होगा। इससे प्रतिबंधित पदार्थ के निलंबन के से उनकी वापसी में फिर बाधा पैदा हुई।

जिम्बाब्वे के 3 प्लेयरों ने ठोके शतक, स्कोर 586, खूब पिटे अफगानी स्पिनर

बुलावायो (एजेंसी)। शॉन विलियम्स (154), कप्तान क्रेग एर्विन (104) और ब्रायन बेनेट (नाबाद 110) रनों की शतकीय पारियों की बदौलत जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को दूसरे सत्र की समाप्ति पर 586 रनों विशाल स्कोर बना लिया। जिम्बाब्वे ने आज 4 विकेट पर 363 रन के कल के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में 20 रन और जुड़े थे कि नवीद जदरान शॉन विलियम्स को आउटकर पवेलियन भेज दिया। विलियम्स ने 174 गेंदों में (154) रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए ब्रायन बेनेट ने कप्तान एर्विन का बखूबी साथ निभाया।

इसी दौरान एर्विन ने अपना शतक पूरा किया। 465 के स्कोर पर जिया उर रहमान ने एर्विन (104) को आउट किया। न्यूमैन न्यामहुरी (26), ब्लेसिंग मुजराबानी (19) और ट्रेवर ग्वांडू (3) रन बनाकर आउट हुए। जिम्बाब्वे ने 135.2 ओवर में 586 रनों का स्कोर खड़ा किया। ब्रायन बेनेट 124 गेंदों में (110) रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले दिन गुरुवार को जिम्बाब्वे की जॉयलॉर्ड गंबी और बेन करन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 43 रन जोड़े। 9वें ओवर में नवीद जदरान ने जॉयलॉर्ड गंबी (9) को आउट कर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई थी। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए टी काइटानो ने बेन करन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में ए एम गजनफर ने अर्धशतक बना चुके बेन करन को बोल्ड कर जिम्बाब्वे को बड़ा झटका दिया। करन ने 74 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (68) रनों की पारी खेली।

इसके बाद टी काइटानो और शॉन विलियम्स ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। 45वें ओवर में जहीर खान ने टी काइटानो को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। काइटानो ने 115 गेंदों में (46) रन बनाए। इसके बाद गजनफर ने डिओन मेयर्स (27) को अपना शिकार बना लिया। अफगानिस्तान की ओर से एएम गजनफर ने 3 विकेट लिए। नवीद जदरान, जहीर खान और जिया उर रहमान ने दो-दो बल्लेबाज को आउट किया। अजमतउल्लाह ओमरजई को एक विकेट मिला।

रन नहीं बना पाने और फॉर्म से बाहर होने में अंतर है : स्टीव स्मिथ

मेलबर्न - ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ स्टीव स्मिथ को पता था कि वह रन नहीं बना पा रहे हैं लेकिन कभी भी फॉर्म से बाहर नहीं हुए और उन्होंने 18 महीने के अंतराल के बाद एक हफ्ते के अंदर भारत के खिलाफ लगातार दो टेस्ट शतक जड़ दिए। ब्रिसबेन में अपना 33वां शतक बनाने के बाद स्मिथ ने शुक्रवार को एमसीजी में चौथे टेस्ट के दूसरे दिन सुनील गावस्कर के 34 शतकों के तत्कालीन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। यह पूछे जाने पर कि जब आसानी से रन नहीं बन रहे थे तब वह इतने दिनों तक कैसे डटे रहे, तो स्मिथ ने यहां दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, 'कभी-कभी आप गेंद पर अच्छी तरह से शॉट लगा सकते हैं जो मुझे लगता है कि मैंने आप सभी से तब कहा था जब मैं रन नहीं बना रहा था। मुझे वास्तव में ऐसा लग रहा था कि मैं काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। और मुझे लगता है कि फॉर्म से बाहर होने और रन नहीं बना पाने में अंतर है। मुझे लगा कि मैं गेंद को अच्छी तरह से मार रहा हूं।' स्मिथ ने कहा, 'मेरा मतलब है कि आपको भरोसा रखना होगा। आप जो करने की कोशिश कर रहे हैं, उस पर आपको थोड़ा भरोसा रखना होगा। मैं अब तक काफी समय से खेल रहा हूं और मुझे पता है कि उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। पर थोड़ा भरोसा रखिए।' स्मिथ के पांच मैचों की श्रृंखला समाप्त होने से पहले 10,000 टेस्ट रन बनाने की उम्मीद है।

विश्व मुक्केबाजी ने नयी एशियाई संस्था बनायी; लवलीना एथलीट आयोग में, अजय सिंह बोर्ड सदस्य नामित

नयी दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को मुक्केबाजी की अलग वैश्विक संस्था 'विश्व मुक्केबाजी' के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है जबकि अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के छह अधिकारी नवगठित अंतरिम एशियाई निकाय का हिस्सा होंगे। भारत इस नयी संरचना के भीतर एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसमें बीएफआई से जुड़े अधिकारियों को सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बोरगोहेन एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मुद्दे उठायेंगी।

बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह सहित को क्रमशः ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। सिंह के हवाले से एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, ''एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि मुक्केबाजी एलए 2028 और उसके बाद ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनी रहे।'' उन्होंने कहा, ''भारत को इस परिवर्तनकारी पहल के केंद्र में होने पर गर्व है, जो मुक्केबाजी के ओलंपिक भविष्य को सुरक्षित करने की प्रक्रिया में योगदान दे रहा है।''

सिंह ने एशिया की अंतरिम निकाय के गठन पर बीएफआई की भूमिका कहा, ''प्रमुख आयोगों में मजबूत प्रतिनिधित्व के साथ भारत प्रमुख नीतियों को प्रभावित करने, भारतीय मुक्केबाजी के विकास को आगे बढ़ाने और न केवल देश के भीतर बल्कि पूरे एशिया में खेल के विकास और प्रमुखता को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है।''

एथलीट आयोग के तीन सदस्यों में से एक, बोरगोहेन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, उचित अवसरों और सहायता प्रणालियों की वकालत करने के लिए मंच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।''

उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों की वकालत करने पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

बीएफआई अधिकारी नरेंद्र कुमार निर्वाण और डीपी भट्ट क्रमशः संविधान और खेल एवं प्रतिस्पर्धा आयोग में काम करेंगे, जबकि डॉ. करणजीत सिंह चिकित्सा आयोग में शामिल होंगे। यह घोषणा भारत को नवंबर 2025 में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की मेजबानी का अधिकार मिलने के एक सप्ताह बाद आई है। देश इसके साथ ही विश्व मुक्केबाजी कांग्रेस की भी मेजबानी करेगा। भारत इस साल की शुरुआत में डब्ल्यूबी में शामिल हुआ था।

गुलाब की खेती

मिका

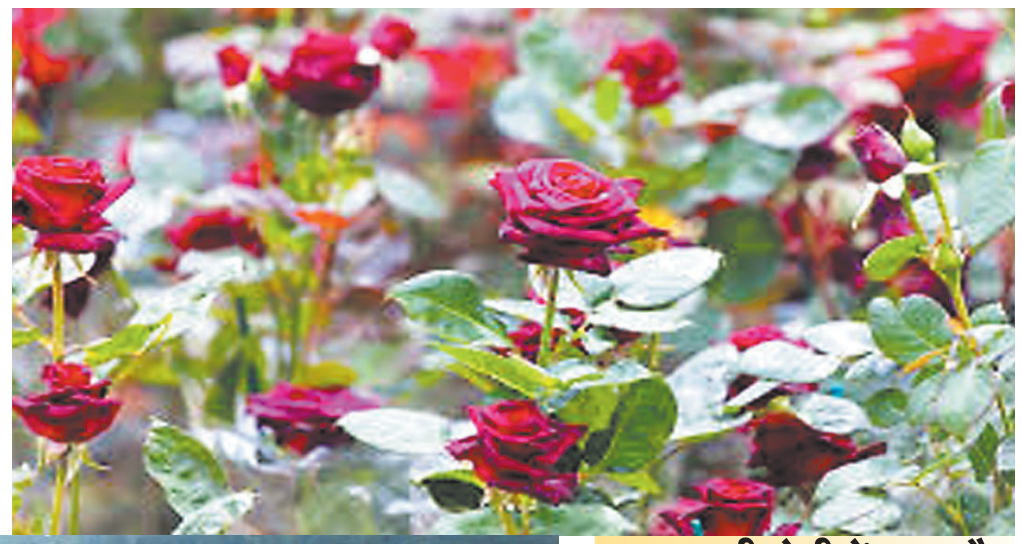

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में त्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा चाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने ला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल डाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का मवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे ए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी ाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के ाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में त्र जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया ता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि र्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों र अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण न माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, ल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने न्ने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत नया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, ध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे ष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी लों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक ध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति ो इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, तों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी ाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर रत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में नवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में सतौर पर बंगलौर में और महाराष्ट्र और गुजरात में भी ाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई ीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का ा एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी ट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और युसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना हिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर ापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। तरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई स्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। के अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार दि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

लाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ नाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी नया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में वसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में ापारिक रूप से पाये जाते हैढ गलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

लाब की खेती के लिए ावश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए ले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ा मिश्रण भरें।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय- सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है- हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं - डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बदंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे ब़ड़े, ऊँचे व तेजी से ब़ढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर ब़ड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें ब़ड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैम्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रू के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी ख मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के ए सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम न की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक ख का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरि सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम हे चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई क रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटा छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होत लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में त से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमी रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से क करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवा से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजि ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लग आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गो की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (ल मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौ और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

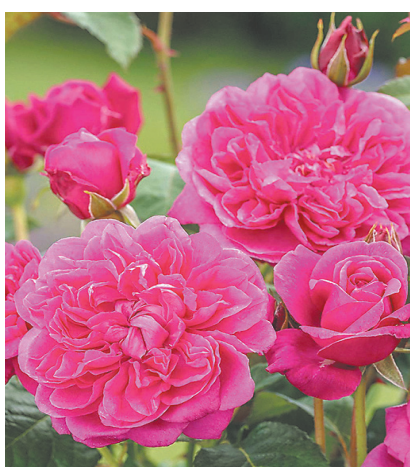

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचि निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुर मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, क व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से प निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुल में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू त सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्र या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खु पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ दे चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में व परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते सम किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिस फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य हो चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकाल चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रख चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सक

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिए गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गम पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जा जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने ल उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़क धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो स ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आउ इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य अ महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पश्चिमी विक्षोभ के चलते... बारिश और बर्फबारी के बीच मनेगा नया साल

नई दिल्ली। इस साल सर्दियों का मौसम अपने शबाब पर है। एक ओर बर्फीले थपेड़े और घना कोहरा आम लोगों को परेशान कर रहा हैं, वहीं दूसरी ओर बारिश की बूंदों ने कई हिस्सों में मौसम को तरोताजा बना दिया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 26 दिसंबर 2024 से 8 जनवरी 2025 तक के लिए मौसम का हाल पेश किया है। मौसम विभाग के अनुसार 27- 31 दिसंबर के बीच कोहरा और ज्यादा घना होने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ की दस्तक

पश्चिमी हिमालय और आसपास के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के चलते 27-28 दिसंबर को बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इससे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में ओले पड़ने और तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान तापमान में गिरावट भी दर्ज होगी। उत्तर और पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान अगले दो दिनों में 2 डिग्री तक गिरेगा। मध्य भारत और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में शीतलहर और बर्फबारी का सिलसिला जारी रहेगा। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में पिछले हफ्ते भारी बारिश ने मौसम को बदल दिया। यह निम्न दबाव क्षेत्र के कारण इन इलाकों में गरज के साथ बारिश हुई। अगले कुछ दिनों में तमिलनाडु, पुदुचेरी और आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। दक्षिण भारत में इस बार मानसून के बाद की बारिश सामान्य से 15 प्रतिशत ज्यादा रही है।

बूंदी स्टेशन के पास वंदे भारत ट्रेन में लगा ब्रेक, रेलवे ट्रैक पर लोहे की पत्ती पड़ी दिखाई दी

बूंदी । राजस्थान में फिर वंदे भारत ट्रेन के साथ हादसा होते-होते बचा है। वंदे भारत के साथ यह हादसा बूंदी के पास हुआ। बूंदी के पास रेलवे ट्रैक पर लोहे की पत्ती पड़ी देखकर पायलट ने ब्रेक लगा दिए। ट्रेन के अचानक ब्रेक लगने से उसमें सवार यात्री हड़बड़ा गए। इसके बाद में रनिंग स्टाफ ने उतरकर पूरे मामले को देखा। उन्होंने पत्ती को वहां से हटाकर रेलवे प्रबंधन को सूचना दी। इस दौरान ट्रेन करीब 10 मिनट तक वहां रुकी रही। जानकारी के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस बूंदी स्टेशन से तालेड़ा की ओर से कुछ ही आगे बढ़ी थी कि पायलट को वापस ब्रेक लगा दिया। यह घटना सुबह करीब 9 बजकर 20 मिनट पर हुई। रेलवे ट्रैक पर 3-4 फीट लंबी लोहे की रॉड पड़ी देखकर पायलट ने ट्रेन को रोक दिया। इसके बाद रनिंग स्टाफ ने वहां जाकर कथित रॉड को देखा, वहां लोहे की मोटी पत्ती मिली। इसकी जानकारी कंट्रोल रुम को दी गई। इस घटना के बाद रेलवे प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। घटना की जांच के लिए 5 सदस्यीय टीम का गठन किया है। टीम पता लगाएगी कि यह पत्ती अपने आप खुलकर अलग हो गई या फिर यह किसी साजिश का हिस्सा है। इस संबंध में आरपीएफ इंचार्ज मुकेश चौधरी का कहना है कि ट्रेक पर कोई रॉड नहीं थी। बल्कि वह पटरी के पास लगी रहने वाली लोहे पत्ती थी। वह पटरी से अलग होकर ट्रैक पर आ गई थी। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

शाही जामा मस्जिद के सामने बनेगी नई पुलिस चौकी... प्रशासन ने जमीन चिह्नित की

संभल । यूपी के संभल में बीते 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान भड़की हिंसा को लेकर योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब शाही जामा मस्जिद के सामने खाली पड़े हुए मैदान में नई पुलिस चौकी बनेगी। इस लेकर जगह को चिह्नित कर लिया गया है। इतना ही नहीं एडिशनल एसपी और सीओ श्रीचंद्र ने इस जगह का मुआयना कर लिया है। संभल के एडिशनल एसपी श्रीचंद्र ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से जगह पर पुलिस चौकी बनाने का फैसला हुआ है। पुलिस चौकी का निर्माण कार्य जल्द शुरु होगा। जब पुलिस फोर्स के साथ एएसपी जामा मस्जिद के बाहर पहुंचे, तब मस्जिद कमेटी और आसपास के लोग अपने जमीनों के कागजात लेकर उनके पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि ये लोग इसलिए कागज लेकर आए क्योंकि उनका कहना है कि ये जगह उनकी है। हम इसकी जांच करा रहे है। पुलिस टीम ने उस जगह की नपाई भी कर ली है, जहां पुलिस चौकी बननी है। जिस जगह पर चौकी का निर्माण किया जाएगा, उस जगह पर चूना डालकर चिह्नित किया है। बता दें कि संभल की शाही जामा मस्जिद में याचिका पर अदालत के आदेश के बाद सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें दावा किया गया कि वहां हरिहर मंदिर था। जब 24 नवंबर को सर्वे की टीम मस्जिद के अंदर थी तभी मस्जिद के बाहर हिंसा भड़क गई।

अन्ना यूनिवर्सिटी में छात्रा से दुष्कर्म, एक्टर थलापति ने की कार्रवाई की मांग

चेन्नई, । चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी की एक छात्रा से दुष्कर्म के मामले में एक्टर और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष थलापति विजय ने इस घटना को दर्दनाक बताया और तमिलनाडु सरकार से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने इस मामले में बिरयानी बेचने वाले को हिरासत में लिया है। एक्टर विजय थलापति ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- अन्ना विश्वविद्यालय की एक छात्रा के साथ रेप की खबर गंभीर रूप से चौंकाने वाली और दर्दनाक थी। यौन उत्पीड़न करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने तमिलनाडु सरकार से अनुरोध किया कि उसके खिलाफ जल्द से जल्द कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा अगर इस घिनौने अपराध में कोई और शामिल है, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। विजय ने कहा कि जो निर्भया फंड हर साल मिलता है, उसका इस्तेमाल करके हमें उन जगहों को पहचानना चाहिए जहां महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। इसके बाद वहां स्मार्ट पोल्स, आपातकालीन बटन, सीसीटीवी कैमरे और टेलीफोन जैसी सुविधाएं होनी चाहिए। शहरों की बसों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के लिए शौचालय बनाएं जाने चाहिए, महिलाओं की सुरक्षा के लिए आपातकालीन टेलीफोन और मोबाइल ऐप्स देना चाहिए।

क्या कोई दलित हो सकता है बीजेपी का नया अध्यक्ष? एक तीर से साधे जा सकते हैं कई निशाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने चल रहे आंतरिक संगठन चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा। माना जा रहा है कि अगले साल फरवरी के अंत तक एक नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति हो सकती है। फिलहाल बूथ, जिला और मंडल अध्यक्षों का चुनाव राज्य इकाइयों द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नये प्रदेश अध्यक्षों का चयन किये जाने की उम्मीद है। 15 जनवरी तक कम से कम आधे राज्यों में नए प्रमुख मिलने की संभावना है। इसके बाद, भाजपा जगत प्रकाश नड्डा की जगह नया अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

नए अध्यक्ष को लेकर अटकलों का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि जो नया अध्यक्ष बनेगा उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छाप और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन होगा। हालाँकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बढ़ती भागीदारी के साथ, जैसा कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में देखा गया था, आरएसएस का समर्थन और एक मजबूत संगठनात्मक पृष्ठभूमि भी आवश्यक है। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि चयन को लेकर मोदी-शाह और आरएसएस के बीच तालमेल बनाए रखने के अलावा, बीजेपी नेतृत्व नए बीजेपी प्रमुख को चुनते समय जाति कारक पर भी विचार करेगा।

सूत्रों के अनुसार, यह देखते हुए कि नड्डा एक ब्राह्मण हैं और मोदी अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) से हैं, और बी आर अंबेडकर की वर्तमान प्रमुखता को देखते हुए, भाजपा एक दलित प्रतिनिधि को चुन सकती है। एक दलित मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, कांग्रेस तर्क तैयार कर रही है कि भाजपा दलितों के खिलाफ है। ऐसे में भाजपा का ये कदम उसके लिए प्रभावी साबित हो सकता है। अंबेडकर पर शाह की टिप्पणी को लेकर संसद में हुए विवाद के बाद बीजेपी के लिए विपक्ष को शांत करने के लिए एक दलित नेता की नियुक्ति सबसे कारगर तरीका हो सकता है। नेताओं ने स्वीकार किया है कि चयन पूल उन दलित नेताओं के संदर्भ में प्रतिबंधित है जिनके पास एक मजबूत संगठनात्मक आधार और आरएसएस का समर्थन है। इस संदर्भ में प्रमुख उम्मीदवार केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पार्टी महासचिव दुष्यंत गौतम और उत्तर प्रदेश की मंत्री बेबी रानी मौर्य हो सकते हैं। उम्र भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई पीढ़ी के नेताओं को बढ़ावा न देने के लिए भाजपा के वर्तमान नेतृत्व की आलोचना की गई है, और एक युवा पार्टी प्रमुख की नियुक्ति एक सुधारात्मक उपाय के रूप में काम कर सकती है। अब तक, इस पद के लिए संभावित उम्मीदवारों के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, भूपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान और वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े शामिल हैं।

आप ने कांग्रेस पर आरोप लगाए तो निकाले जाने लगे सियासी मायने

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव को बीते बहुत वक्त नहीं हुए जब कांग्रेस और आप दोनों दल साथ में दिल्ली की गलियों में चुनाव प्रचार कर रहे थे। अब दिल्ली चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच तल्खी काफी बढ़ गई है और ऐसा माना जा रहा है कि इसका असर इंडिया गठबंधन पर भी पड़ सकता है। आप के नेताओं की ओर से गुरुवार कांग्रेस पर न केवल बीजेपी के साथ मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए गए बल्कि इंडिया गठबंधन से बाहर कराने तक की चुनौती दे दी गई। आप की ओर से जो कहा गया उसके अलग-अलग राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर आप की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए भाजपा से मिलीभगत करने का आरोप लगाया। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की हरकतों की वजह से इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस गठबंधन की एकता को नुकसान हो रहा है। आप नेताओं ने कहा कि हमने हरियाणा चुनाव के दौरान कांग्रेस के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। कांग्रेस फिर भी बीजेपी की तरह काम कर रही है। कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची देखें तो लगता है कि जैसे भाजपा के कार्यालय में बनी हो। कांग्रेस नेता अजय माकन और संदीप दीक्षित बीजेपी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय आम आदमी पार्टी को निशाना बना रहे हैं।दोनों दलों के बीच की इस लड़ाई के पीछे राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आप और कांग्रेस दोनों का बेस एक ही है। मान लीजिए जिस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस बढ़ेगी तो आम आदमी पार्टी पीछे रह जाएगी। आम आदमी पार्टी बढ़ी तो इसका उदाहरण साफ दिखा कि कांग्रेस पीछे रह गई। 2013 के चुनाव के बाद से ही देखने को मिला है कि कांग्रेस का वोट बैंक पूरी तरह आम आदमी पार्टी की ओर शिफ्ट हो गया।

दो दर्जन से अधिक कन्याओं का विवाह बिना दूल्हे के कराया, यूपी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा

कौशांबी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा का बड़ा मामला आया है। आरोप है कि दो दर्जन से अधिक कन्याओं का विवाह बिना दूल्हे के कराया गया। इतना ही नहीं सभी को शादी का सर्टिफिकेट भी दे दिया गया। इसके लिए सभी से 10-10 हजार रुपए बतौर रिश्वत भी ली गई। अब इस मामले की शिकायत योगी सरकार से की गई है, जिसके बाद हड़कंप मच गया है।

शिकायतकर्ता ने समाज कल्याण राज्यमंत्री को पत्र भेजकर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 23 नवंबर 2024 को सिराथू ब्लॉक में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ था, जिसमें 200 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। दो दर्जन से अधिक कन्याओं के वर (दूल्हे) विवाह समारोह में शामिल नहीं हुए थे। आरोप है कि समाज कल्याण विभाग के सहायक विकास अधिकारी ने लोगों से 10-10 हजार रुपये लेकर कागजों में शादी दिखा दिया।

मामले की शिकायत समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री से की गई, तब प्रशासन में हड़कंप मच गया। डीएम मधुसूदन हुल्गी ने मामले में जांच टीम गठित की है। डीएम ने बताया कि ऑनलाइन प्रक्रिया के बाद सत्यापन होता है। उसके बाद ही जोड़ों को शादी समारोह में शामिल कर विवाह संपन्न किया जाता है। यदि जांच में आरोप सही साबित होते हैं तब लाभार्थियों को शासन की ओर से मिलने वाला लाभ नहीं दिया जाएगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

अयोध्या, काशी और मथुरा सौंप देते तो जगह जगह मंदिर निर्माण की मांग नहीं होती: विहिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) का दावा है कि मुस्लिम अयोध्या, काशी और मथुरा सौंप देते तो जगह जगह मंदिर बनाने की मांग नहीं उठती। विहिप के महासचिव मिलिंद परांडे ने कहा, 1984 में एक धर्म संसद का आयोजन किया गया था। इसमें कहा गया था, अयोध्या, काशी और मथुरा हमें दे दो और फिर अन्य मुद्दों पर कोई हलचल नहीं होगी। अब 2025 आने वाला है। 1984 में जो प्रस्तावित किया गया था, वह अभी तक लागू नहीं हो सका है। इसलिए, जो नाराजगी समाज में दिख रही है, वह शायद इसके प्रमुख कारणों में से एक है।

उन्होंने मोहन भागवत के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। परांडे ने कहा, कि पहले मोहन भागवत जी ने काशी और मथुरा के बारे में बात की थी और उनका (हालिया) बयान उसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए।भागवत ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर हिंदुओं के विश्वास का विषय है, लेकिन नए मुद्दों को दैनिक आधार पर उठाना नफरत, द्वेष और शक के कारण अस्वीकार्य है। कुछ हिंदू धार्मिक नेताओं ने यह कहा कि संघ को हिंदू समाज को यह नहीं बताना चाहिए कि उसे क्या करना चाहिए। इस पर परांडे ने कहा, हम संतों पर टिप्पणी नहीं करते।

जागरूकता अभियान 5 जनवरी 2025 से

विहिप ने सरकार के मंदिरों पर नियंत्रण के मुद्दे पर भी बात की। परांडे ने बताया, हम इस बारे में एक देशव्यापी जन जागरूकता अभियान 5 जनवरी 2025 से शुरू करने जा रहे हैं। इस अभियान का आह्वान विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में लाखों लोगों की एक विशेष और विशाल सभा हैंदव शंखारवम में किया जाएगा।संस्था ने एक मसौदा कानून भी तैयार किया है, जिसे मंदिरों को समाज को सौंपने और उनके प्रबंधन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए तैयार किया गया है। परांडे ने कहा कि पिछले सप्ताह संस्था का एक प्रतिनिधिमंडल आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिला और उन्हें यह मसौदा कानून सौंपा।

ये हैं विहिप की मांगें

- मंदिरों और एंडोमेंट विभागों में सभी गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाना।
- पूजा, भोग और सेवा के कार्यों में केवल उन हिंदुओं को रोजगार देना जो इसका पालन करते हैं।
- ट्रस्ट बोर्ड और मंदिरों के प्रबंधन में किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ी व्यक्तियों की नियुक्ति पर प्रतिबंध।
- मंदिरों के अंदर और बाहर दुकानें चलाने के लिए केवल हिंदुओं को अनुमति देना।
- मंदिरों की भूमि पर किए गए सभी अतिक्रमण और गैर-हिंदू द्वारा की गई सभी निर्माणों को हटाना।

कर्नाटक के ठेकेदार ने की आत्महत्या, सुसाइड से पहले लिया प्रियांक खरगे के करीबी राउडी-शीटर का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)।कर्नाटक के बीदर में एक 26 वर्षीय ठेकेदार की आत्महत्या से मौत हो गई, जिसने सात पेज का डेथ नोट छोड़ दिया जिससे राजनीतिक और सामाजिक विवाद पैदा हो गया। डेथ नोट में उपद्रवी और कर्नाटक के आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर पर टेंडर से जुड़े मामले में 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। सुसाइड नोट में आगे आरोप लगाया गया कि कपनूर ने 1 करोड़ रुपये की मांग की और चार अन्य लोगों को सहयोगी बताते हुए सचिन को जान से मारने की धमकी दी। भालकी तालुक के तुंगदकट्टी के मूल निवासी सचिन पांचाल ने कथित तौर पर ट्रेन के सामने छलांग लगा दी, जिससे उनकी मौत हो गई।

मंत्री प्रियांक खड़गे ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए सचिन की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और अधिकारियों से सच्चाई उजागर करने का आग्रह किया। मुझे सचिन पांचाल के आत्महत्या मामले की पृष्ठभूमि के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस मामले में नामित आरोपियों के बयान एक तरह से हैं, जबकि कथित तौर पर सचिन द्वारा लिखे गए डेथ नोट से कुछ और ही पता चलता है। रेलवे पुलिस पहले ही मामला दर्ज कर चुकी है और जांच एजेंसियां सच्चाई को उजागर करने के लिए प्रभावी ढंग से जांच करेंगे।

खड़गे ने इस मामले से खुद को जोड़ने के भाजपा के आरोपों को भी खारिज कर दिया और कहा कि झूठे आरोप लगाना भाजपा की पुरानी आदत है। उन्होंने पहले भी मेरे खिलाफ निराधार आरोप लगाए हैं। बेबुनियाद आरोपों से मुझे कमजोर करने की भाजपा की कोशिश सफल नहीं होगी। भाजपा ने मामले की गहन जांच की मांग की है, नेताओं ने कपानुर और खड़गे के बीच कथित संबंध पर सवाल उठाए हैं।

डल्लेवाल का जीवन दांव पर, आप गंभीरता से नहीं ले रहे... सुप्रीम कोर्ट से मान सरकार को फटकार

नोटिस जारी कर शनिवार तक मांगा जबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को डॉक्टरी मदद देने के आदेश का पालन नहीं करने पर पंजाब की मान सरकार को नोटिस जारी कर दिया है। यह नोटिस मुख्य सचिव खिलाफ अवमानना याचिका पर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि हम किसान नेता डल्लेवाल के जीवन और सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पंजाब सरकार उन्हें चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए। वहीं अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है तब सरकार उस सख्ती से निपटना होगा।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धुलिया की अवकाशकालीन पीठने मान सरकार को नोटिस जारी की है। बता दें कि डल्लेवाल 26 नवंबर से ही खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। वे केंद्र सरकार पर किसानों की मांग के समर्थन में यह हड़ताल कर रहे हैं। इन मांगों में एमएसपी पर कानूनी गारंटी भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अगर कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा होती है,तब मान सरकार को सख्ती से निपटना होगा। किसी का जीवन दांव पर है। आपको इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए। चिकित्सा सहायता दी जानी चाहिए और ऐसा लगता है कि आप इसका पालन नहीं कर रहे हैं।

दिल्ली में अब तेज वाहन चलाने पर लगेगा अंकुश, स्पीड पर लगेगी लगाम

*** -हादसों को रोकने गति सीमा पर निगरानी के लिए लगेगी लेजर स्पीड गन**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने दिल्ली में अब वाहनों की गति को 50 किमी प्रतिघंटा करने पर भी विचार किया जा रहा है। अभी यह गति 70 किमी प्रतिघंटा है। इसे लेकर यातायात पुलिस ने कवायद शुरू दी है, जल्द ही ट्रांसपोर्ट विभाग को सर्कुलर भेजा जा सकता है।

इसके साथ ही सर्दी में घने कोहरे की वजह से हादसों को रोकने यातायात पुलिस ने गति सीमा पर निगरानी के लिए लेजर स्पीड गन लगाने की तैयारी कर रही है। अभी कैमरे लगे हैं। लेजर स्पीड गन को लेकर सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। सर्कुलर में सभी ट्रैफिक उपायुक्त, टीआई को निर्देश दिए हैं कि वे अपने तौर पर उन स्पॉट की जानकारी लें, जहां पर हादसे और वाहनों की रफ्तार तेज होती है। यातायात पुलिस अधिकारी के मुताबिक दिल्ली में 36 से ज्यादा ऐसे स्पॉट हैं, जहां वाहन नियमों का उल्लंघन करते हैं। इस वजह से वहां पर सड़क हादसे होते हैं और लोगों अपनी जान गवाते हैं। इसमें उत्तरी जिले के रिंग रोड, आउटर रिंग रोड, नरेला व अलीपुर जैसे दिल्ली के बाहरी इलाके के बेल्ट के भी इलाके हैं।

अत्याधुनिक लेजर स्पीड गन तय सीमा से ज्यादा वाहनों की गति को एक किमी दूर से ही केच कर लेती है। इस गन में यह पता चलेगा कि वह मानक से कितनी तेज गाड़ी चला रहा था। लेजर का इस्तेमाल टेलगेटिंग प्रवर्तन, फोटो और वीडियो आधारित गति प्रवर्तन, विचलित ड्राइविंग, सांख्यिकीय डेटा संग्रह और आपदाओं के माप के लिए किया जाता है।

यातायात पुलिस के स्पेशल सीपी ने बताया कि हमारी कोशिश है कि किसी तरह से वाहनों से होने वाले हादसे कम हों। सर्दी में कोहरे के चलते हादसों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए लेजर स्पीड गन से तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। अपनी गति कम करें और किसी भी स्थिति में ज्यादा समय देने के लिए वाहनों से दूरी बनाकर चलें।

उन्होंने कहा कि कोहरा प्रकाश को परावर्तित करता है, इसलिए हाई बीम का इस्तेमाल करने से देखना मुश्किल हो सकता है। कोहरा आपकी खिड़कियों पर जमा हो जाता है, इसलिए दृश्यता बढ़ाने के लिए अपने डीफ़ॉस्टर और वाइपर का इस्तेमाल करें। तेज आवाज में संगीत या ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचें।

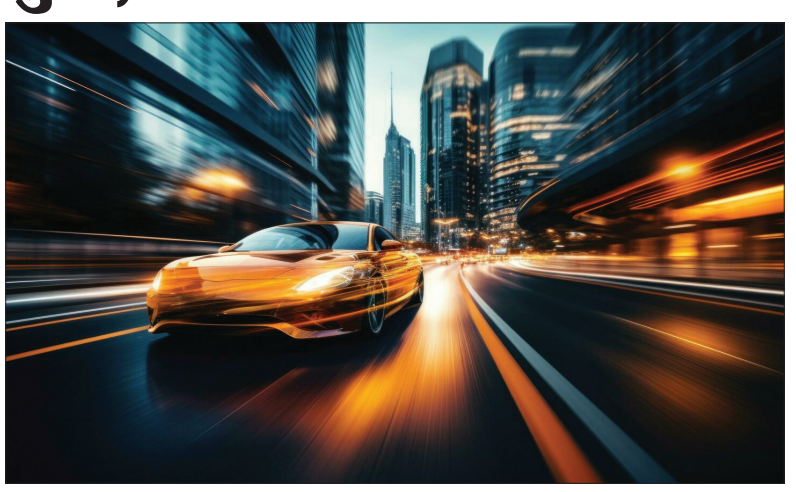

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

भारतीय पेशेवरों को ट्रूडो सरकार ने दिया एक और झटका, इमीग्रेशन एंट्री को लेकर नियमों में किया बदलाव

ओटावा, एजेंसी। कनाडा जाकर नौकरी करने की चाह रखने वाले भारतीय पेशेवरों को कनाडा की ट्रूडो सरकार ने बड़ा झटका दिया है। दरअसल कनाडा की सरकार ने अपने एक्सप्रेस इमीग्रेशन सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है। इसमें उम्मीदवारों की योग्यता निर्धारित करने वाले कॉम्प्रिहेंसिव रैंकिंग सिस्टम के नियमों को बदला गया है। नए नियमों के तहत अब उम्मीदवारों को नौकरी का ऑफर मिलने के लिए कोई अतिरिक्त अंक नहीं दिए जाएंगे। नए नियम साल 2025 में लागू हो जाएंगे। कॉम्प्रिहेंसिव रैंकिंग सिस्टम में बदलाव का असर उन लोगों पर पड़ेगा, जो एक्सप्रेस एंट्री सिस्टम के तहत कनाडा में स्थायी तौर पर बसने का इरादा रखते हैं। ये नियम उन लोगों पर भी लागू होंगे, जो पहले से ही कनाडा में अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। कनाडा की सरकार ने कहा है कि जब नए नियम लागू हो जाएंगे तो वे नौकरी की पेशकश पाने वाले उम्मीदवारों के साथ ही, जो नए उम्मीदवार पूल में आ रहे हैं, उन पर भी लागू होंगे। हालांकि नए नियम उन उम्मीदवारों को प्रभावित नहीं करेंगे जो पहले से ही स्थायी निवास (पीआर) के लिए आवेदन कर चुके हैं। यह उन उम्मीदवारों पर भी लागू नहीं होगा जिन्होंने पहले से ही इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) को पीआर के लिए आवेदन जमा कर दिया है, जिस पर वर्तमान में कार्रवाई की जा रही है। कनाडा सरकार का कहना है कि ये बदलाव अस्थायी हैं और इसका उद्देश्य फर्जी तरीके से कनाडा आने वाले लोगों को रोकना और धोखाधड़ी वाली आव्रजन प्रथाओं पर अंकुश लगाना है। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने कहा कि हम धोखाधड़ी वाले आव्रजन पर रोक लगाकर स्किल कार्यबल को कनाडा आने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, ताकि हमारे देश की अर्थव्यवस्था बेहतर हो। उन्होंने कहा कि आव्रजन हमेशा से ही कनाडा की सफलता का अहम हिस्सा रहा है और हम आगे भी टैलेंटेड पेशेवरों को कनाडा लाना पसंद करेंगे ताकि हर किसी को अच्छी नौकरी, घर और वो मदद मिल सके, जिसे वो चाहते हैं।

यूएन महासचिव बोले-अडिग प्रतिबद्धता के लिए याद रखे जाएंगे अमिताभ झा

वाशिंगटन, एजेंसी। यूनाइटेड नेशन्स डिसइंगेजमेंट ऑब्सर्वर फोर्स (यूएनडीओएफ) में ब्रिगेडियर जनरल रहे अमिताभ झा के निधन पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गुटेरस ने कहा, यूएन शांतिरक्षण में झा के नेतृत्व और अडिग प्रतिबद्धता के लिए उन्हें याद रखा जाएगा। ब्रिगेडियर झा ने अप्रैल 2023 से यूएनडीओएफ के उप बल कमांडर के रूप में सेवाएं दीं और हाल में सीरिया में असद सरकार गिरने के बाद जटिल हालात में भी जिम्मेदारी निभाई। झा की गत दिनों स्वास्थ्य कारणों से मृत्यु हो गई। गुटेरस ने कहा, उन्हें शांति स्थापना के लिए याद रखा जाएगा। इसमें 2005 से 2006 तक कांगो में संयुक्त राष्ट्र संगठन मिशन में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में उनकी भूमिका भी शामिल है। इससे पहले भारतीय सेना ने 'एक्स' पर झा को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी व सेना के समस्त अधिकारी ब्रिगेडियर अमिताभ झा के असमय निधन पर गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। 'भारतीय सेना दुख की इस घड़ी में शोक-संतप्त परिवार के साथ खड़ी है।'

मोजाम्बिक जेल में हुए दंगे में 33 लोगों की मौत

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। मोजाम्बिक की राजधानी मापुटो की जेल में हुए दंगे में 33 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। पुलिस जनरल कमांडर बर्नार्डिनो राफेल ने यह जानकारी दी। दरअसल मोजाम्बिक की शीर्ष अदालत द्वारा सोमवार को चुनाव में लंबे समय से सत्तारूढ़ पार्टी फ्रेलिमो की जीत की पुष्टि करने के बाद हंगामा हो गया है। इस फैसले के खिलाफ विपक्षी समूहों और उनके समर्थकों द्वारा राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि चुनाव में धांधली हुई। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि जेल के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के चलते जेल में दंगा हुआ। हालांकि मोजाम्बिक की न्याय मंत्री ने इस बात से इनकार कर दिया। जेल में हुए दंगे में 33 लोगों की मौत हुई है और 15 लोग घायल हुए हैं। मारे गए लोगों की पहचान अभी स्पष्ट नहीं है। दंगे के चलते जेल से 1534 कैदी भाग गए थे, जिनमें से 150 लोगों को फिर से पकड़ लिया गया। मोजाम्बिक की दो अन्य जेलों में भी हंगामा हुआ। मोजाम्बिक में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक सैंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

हैती के अस्पताल में बंदूकधारियों के हमले में तीन की मौत

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। हैती में हथियारबंदों के देश के सबसे बड़े अस्पताल पर गोलाबारी कर 3 को मार डाला। मृतकों में दो पत्रकार व एक पुलिस अफसर शामिल हैं। कई अन्य घायल हैं। यह हमला उस वक्त किया गया जब इस सबसे बड़े सार्वजनिक अस्पताल को फिर से खोलने के एलान किया जा रहा था। इस दौरान हथियारबंदों ने पत्रकारों, पुलिस और चिकित्सा कर्मियों पर गोलियां चला दीं। शहर के अधिकांश हिस्से पर कब्जा रखने वाले विव अंसनम गिरोह गठबंधन ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान आर्मी को ट्रेनिंग के लिए बुलाया: यह फरवरी में होगी, 53 साल बाद ढाका पहुंचेंगे पाक फौजी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपने सैनिकों की ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान आर्मी की टीम को बुलाया है। 1971 के भारत-पाक युद्ध में करारी हार के 53 साल बाद एक बार फिर पाकिस्तानी आर्मी बांग्लादेश की जमीन पर कदम रखेगी। पाक आर्मी के एक मेजर जनरल रैंक के अफसर के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बांग्लादेशी आर्मी को ट्रेनिंग देगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये ट्रेनिंग अगले साल फरवरी में शुरू होगी। पहले चरण की ट्रेनिंग मेमनशाही कैंट में आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड मुख्यालय में होगी। ट्रेनिंग का ये पहला चरण एक साल तक चलेगा। इसके बाद पाकिस्तान आर्मी बांग्लादेश आर्मी की सभी 10 कमांड में भी ट्रेनिंग देगी। ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तानी आर्मी के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने नवंबर में बांग्लादेश को ट्रेनिंग का प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव को बांग्लादेश आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमान ने स्वीकार कर लिया था। इसके बाद जनरल वकार ने पाक आर्मी को ट्रेनिंग के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया है। पाक से गोला बारूद मंगाया, युद्धाभ्यास में शामिल होगा बांग्लादेश ने पाकिस्तान से गोला- बारूद की दो खेप मंगाई हैं। सितंबर से दिसंबर के बीच बांग्लादेश ने 40 हजार राउंड एम्युनिशन मंगवाए हैं। ये पिछले साल की तुलना में तीन गुना हैं। पिछले साल ये 12 हजार राउंड थे। इसके अलावा 2 हजार राउंड टैंक एम्युनिशन और 40 टन आरडीएक्स भी मंगवाया है। बांग्लादेश की

नौसेना अगले साल फरवरी में पाकिस्तान के साथ कराची पोर्ट पर नौसेनिक युद्धाभ्यास करेगी। इस संयुक्त युद्धाभ्यास को अमन-2025 नाम दिया गया है। पाकिस्तान हर 2 साल बाद इस युद्धाभ्यास का आयोजन करता है। बांग्लादेश 15 साल बाद इस युद्धाभ्यास में शामिल हो रहा है। शेख हसीना के पूरे कार्यकाल में बांग्लादेश ने इसमें हिस्सा नहीं लिया था। 2022 में शेख हसीना ने पाकिस्तान के युद्धपोत तैमूर को चटगांव में रुकने की परमिशन तक नहीं दी थी। इसके चलते तैमूर को म्यांमार के क्यायुकफु पोर्ट पर लंगर डालकर फ्यूल लेना पड़ा था। पाकिस्तान-बांग्लादेश के साथ आने से भारत पर असर डिफेंस एक्सपर्ट, वेस्ट एशिया पॉलिसी सेंटर के डिफेंस एक्सपर्ट कमर आगा के मुताबिक बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढ़ती करीबी से भारत के 80 किमी चौड़े सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) पर खतरा बढ़ सकता है। ये कॉरिडोर भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। बांग्लादेश में पाक की एंट्री के बाद पूर्वोत्तर के कट्टरपंथी ग्रुप के और हावी होने की आशंका है। दूसरी तरफ बांग्लादेश की जियोपॉलिटिकल लोकेशन काफी अहम है। चिकन नेक कॉरिडोर के पास भूटान का डोकलाम भी है। इस पर चीन कब्जा चाहता है। बांग्लादेश में यूनुस सरकार और अब पाक सेना की एंट्री के बाद चीन के लिए अनुकूल हालात हैं।

कमर आगा ने बताया कि बांग्लादेश में हमेशा से पाक परस्त ताकतें हावी रही हैं। फर्क इतना है कि शेख हसीना के 15 साल के शासन में इन पर लगाम रही, पर बांग्लादेश के आर्मी चीफ वकार ने पाकिस्तान की आर्मी और अन्य ताकतों के साथ हसीना के खिलाफ साजिश रची। 5 अगस्त को वहां जनक्रांति नहीं, सेना ने एक बड़े प्लान से तख्तापलट कराया था।

अमेरिका ने हिंदुओं पर हमलों को लेकर ढाका को चेताया बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर अमेरिका की बाइडेन सरकार ने बांग्लादेश की यूनुस सरकार चेताया है। सोमवार देर रात अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने यूनुस से फोन पर बात की। इसमें बांग्लादेश में मानवाधिकारों की ?बिगड़ती स्थिति व लोकतंत्र पर चिंता जताई। सुलिवन ने कहा कि हर नागरिक के मानवाधिकारों की रक्षा करना किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए ठोस कदम उठाएं। इस पर यूनुस ने भी अमेरिका को मानवाधिकारों की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का आश्वासन दिया।

बांग्लादेश में क्रिसमस पर 17 ईसाइयों के घर जलाए: त्योहार मनाने पड़ोस के गांव गए थे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में क्रिसमस से एक दिन पहले ईसाई समुदाय से जुड़े लोगों के 17 घर जला दिए गए। यह घटना बंदरबन जिले के चटगांव पहाड़ी इलाके में हुई। पीड़ितों का दावा है कि जब वे क्रिसमस के मौके पर प्रार्थना करने के लिए चर्च गए थे, तब मौके का फायदा उठाकर उनके घरों में आग लगाई गई। ईसाई समुदाय के लोगों ने बताया कि इस घटना में उनका 15 लाख टका (बांग्लादेशी करंसी) से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने कहा कि बुधवार दोपहर तक आगजनी के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। 4 महीने से रह रहे थे ईसाई समुदाय के लोग जानकारी के मुताबिक त्रिपुरा समुदाय के 19 परिवार बंदरबन (चटगांव पहाड़ी इलाका) के लामा सराय के एसपी गार्डन में रहते थे। यह गार्डन हसीना सरकार में बड़े अधिकारी रहे बेनजीर अहमद का है। 5 अगस्त के बाद बेनजीर अहमद और उनके परिवार के लोग यह इलाका छोड़कर चले गए थे। इसके बाद यहां त्रिपुरा समुदाय के 19 परिवार आकर रहने लगे। कल शाम जब सभी लोग क्रिसमस के मौके पर पड़ोस के चर्च में प्रार्थना करने गए तो उपद्रवियों ने खालीपन का फायदा उठाकर घरों को जला दिया। वहीं, ईसाई समुदाय से जुड़े लोगों ने बताया कि ये उनकी ही जमीन है। पहले इस इलाके का नाम तंगझिरी पारा था। इस पर बेनजीर अहमद के लोगों ने कब्जा कर लिया था और यहां का नाम बदलकर एसपी गार्डन कर दिया था।

पूर्व राष्ट्रपति के करीबी अधिकारी को पकड़ने गए सुरक्षा बलों पर हमला; 14 सुरक्षाकर्मियों समेत 17 की मौत

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के टारटस प्रांत में बुधवार को सुरक्षा बलों ने पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद से जुड़े एक अधिकारी को गिरफ्तार करने की कोशिश की। इस दौरान अधिकारी के समर्थकों और लोगों ने सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। इस दौरान जनरल सिक्योरिटी फोर्स के 14 सदस्यों समेत 17 लोगों की मौत हो गई। सुरक्षा बल सैदनया जेल में लोगों पर अत्याचार करने वाले अधिकारी मोहम्मद कंजो हसन को गिरफ्तार करने गए थे। आठ दिसंबर को सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भागने के बाद देश पर विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) का कब्जा हो गया है। वहीं एचटीएस ने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन देकर यहां एक मार्च 2025 तक के लिए अंतरिम प्रधानमंत्री की नियुक्ति की है। इसके बाद से राष्ट्रपति बशर अल असद के करीबियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि टारटस प्रांत में सुरक्षा बल बशर शासन के अधिकारी सैन्य न्याय विभाग के निदेशक और क्षेत्रीय न्यायालय प्रमुख के मोहम्मद कंजो हसन को गिरफ्तार करने गए थे। उसने सैदनया जेल में बंद हजारों कैदियों को मौत की सजा और मनमाने फैसले सुनाए थे। सुरक्षा बल जब कंजो हसन के गांव पहुंचे तो यहां कई लोगों ने अपने घरों की तलाशी लेने से इन्कार कर दिया।

यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बढ़ाएगा अमेरिका, क्रिसमस पर रूस ने दागीं 78 मिसाइलें

कीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को यूक्रेन पर हुए रूसी मिसाइल और ड्रोन हमले की निंदा की है। बाइडेन ने आरोप लगाया कि रूस ने मिसाइल और ड्रोन हमले के जरिए यूक्रेन की एनर्जी ग्रिड को निशाना बनाया है। इसके जरिए रूस सर्दी में यूक्रेनी लोगों की बिजली सप्लाई काटना चाहता है। बाइडेन ने यूक्रेन को मदद देने की बात भी दोहराई। बाइडेन के मुताबिक अमेरिका ने पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन को सैकड़ों मिसाइलें दी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बढ़ाएगा। यूक्रेन को जल्द ही मिसाइलों की नई खेप दी जाएगी। इसके लिए अमेरिकी रक्षा विभाग को मिसाइलों की सप्लाई तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने दुनिया के दूसरे देशों से भी यूक्रेन की मदद करने के लिए कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन के लोगों शांति और सुरक्षा के साथ जीने का अधिकार है। बाइडेन ने कहा कि हम यूक्रेन का तब तक समर्थन करते रहेंगे, जब तक वह रूस के खिलाफ जीत हासिल न कर ले।

रूसी हमले में 1 की मौत, 21 घायल : रूस ने अपने हमले में यूक्रेन के कई शहरों को निशाना बनाया। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक रूस हमले के लिए 78 मिसाइलों और 106 ड्रोन्स का इस्तमाल किया। इस हमले में 1 शख्स की मौत हुई, जबकि 21 घायल हुए हैं। यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक सबसे बड़ा हमला खारकीव शहर पर किया गया। इसके अलावा निप्रो, क्रेमेनचुक, क्रिवी रिह और इवानो-फ्रैंकिवस्क पर भी हमले हुए।

यहां एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया। लोकल मीडिया के मुताबिक रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल से भी हमले किए हैं। रूस ने ब्लैक सी से ये मिसाइलें दागीं। खार्किव के गवर्नर ने बताया कि रूस ने उनके शहर पर कम से कम 7 मिसाइलें दागीं जिसमें 6 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के कई शहरों ने हमले के बाद बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। जेलेंस्की बोले- पुतिन इंसान नहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे अमानवीय करार दिया है। उन्होंने कहा कि पुतिन इंसान नहीं हैं। उन्होंने जानबूझकर हमले के लिए क्रिसमस का दिन चुना। वहीं, यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने कहा कि रूस का यूक्रेनी एनर्जी सिस्टम पर 13वां बड़ा हमला है। रूस ने राष्ट्रपति जेलेंस्की के होम टाउन क्रिवी रिह पर भी मिसाइल हमले किए हैं। एक अपार्टमेंट पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। वहीं, यूक्रेन के एक और शहर निप्रो पर भी मिसाइल हमले हुए। रूसी विदेश मंत्री ने यूक्रेन को चेतावनी दी इससे पहले रूसी वायु सेना कहा था कि उन्होंने 24-25 दिसंबर की रात में यूक्रेन के 59 ड्रोन को मारकर गिराया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेनी हमले को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि यूक्रेनी सरकार आम नागरिकों को निशाना बना रही है। लावरोव ने चेतावनी दी कि यूक्रेन का ये हमला जारी रहा तो रूस और ज्यादा कड़े कदम उठाएगा।

पनामा नहर, ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप गंभीर, क्रिसमस पर जारी संदेश में इशारों में कह गए बड़ी बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर पनामा नहर, ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात दोहराई है। दरअसल ट्रंप ने क्रिसमस के मौके पर जारी बयान में ये बातें दोहराईं और साथ ही कनाडा से अमेरिका में हो रहे अवैध आव्रजन को न रोकने पर कनाडा पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की बात भी कही।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा किए पोस्ट : ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा कई पोस्ट में लिखा कि सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं, साथ ही चीन के शानदार सैनिकों को भी बधाई, जो अवैध रूप से पनामा नहर (जिसके 110 साल तक चले निर्माण में हमने 38 हजार लोगों को खोया) का संचालन कर रहे हैं। अमेरिका इसके पुनर्निर्माण में अरबों डॉलर खर्च करता है, लेकिन हम इसके बारे में कुछ नहीं कहेंगे। ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि कनाडा के गवर्नर जस्टिन ट्रूडो को भी क्रिसमस की शुभकामनाएं। इनके नागरिक कर बहुत ज्यादा अधिक हैं, लेकिन अगर

कनाडा हमारा हिस्सा होता तो उसके करों में 60 फीसदी की कटौती की जाती और उनका व्यापार दोगुना हो जाता। साथ ही उसकी सैन्य तौर पर सुरक्षा भी की जाती।

ट्रंप ने विपक्ष पर भी साधा निशाना ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप ने लिखा कि ग्रीनलैंड के लोगों की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अमेरिका को जरूरत है। जो भी चाहता है कि अमेरिका वहां पहुंचे तो हम जरूर ऐसा करेंगे। ट्रंप ने विपक्षियों पर भी निशाना साधा और कहा जो विपक्षी लगातार हमारी अदालती व्यवस्था और चुनाव को बाधित करने का प्रयास कर रहे हैं, उन कट्टर वामपंथियों को भी क्रिसमस की शुभकामनाएं। साथ ही ट्रंप ने गंभीर अपराधों को 37 दोषियों को राष्ट्रपति बाइडन द्वारा माफी दिए जाने पर भी निशाना साधा। पनामा नहर और ग्रीनलैंड पर कब्जे की इच्छा जाहिर कर चुके हैं ट्रंप गौरतलब है कि ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक मीम साझा किया, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप, पनामा नहर, ग्रीनलैंड और कनाडा को खरीदते नजर आ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ग्रीनलैंड का जिक्र करते हुए कहा था कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का मालिकाना हक होना चाहिए और राष्ट्रीय सुरक्षा और विचारों की स्वतंत्रतता के लिए ये बेहद जरूरी है। ट्रंप ने पनामा नहर पर भी फिर से अमेरिका का कब्जा करने की धमकी दी थी और कहा था कि पनामा नहर अमेरिका की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए बेहद अहम है। गौरतलब है कि चीन पनामा नहर पर अपनी मौजूदगी को लगातार बढ़ा रहा है, जो अमेरिका के लिए खतरे की घंटी है।

नेतन्याहू ने हूती विद्रोहियों को दी चेतावनी, बोले इजरायल हवाई हमला करने पर कर रहा विचार

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि यमन में हूती बलों को भी इजरायल विरोधी समूहों जैसा ही परिणाम भुगतना पड़ेगा। नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में कहा, ÷हूती विद्रोहियों को भी वही सबक मिलेगा जो हमास, हिजबुल्लाह, असद सरकार और दूसरों को मिला है। हालांकि, इसमें समय लग सकता है। लेकिन, यह पूरे मध्य पूर्व के लिए एक सबक साबित होगा।÷ इससे पहले बुधवार को हूती विद्रोहियों ने लगातार दूसरे दिन इजरायल की ओर जमीन से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल दागी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार एक ड्रोन दक्षिणी इजरायल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कथित तौर पर हूती बलों द्वारा जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद इजरायल यमन में हूती बलों के खिलाफ एक बड़े हमले पर विचार कर रहा है। मंगलवार को इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने बताया कि सेना एक संभावित ऑपरेशन की तैयारी कर रही है। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से कान टीवी ने कहा कि इजरायली वायु सेना, सैन्य खुफिया और संचालन निदेशालय पिछले सप्ताह के हमले के बाद यमन में ÷काफी आक्रामक योजनाएं बना रहे हैं और टार्गेट सूची का विस्तार कर रहे हैं।÷

पिछले साल अक्टूबर से हूती समूह ने गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए इजरायल पर कभी-कभी मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इसके

जवाब में इजरायल ने कई बड़े हवाई हमले किए, जिनमें से सबसे हाल ही में पिछले सप्ताह हुआ। इस हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। बुधवार सुबह इजरायली मीडिया ने बताया कि यमन से एक ÷मिसाइल÷ तेल अवीव के पास पहुंचा, जिसके बाद सायरन बजने लगे। यमन के हूती समूह ने बाद में कहा कि उन्होंने बुधवार को इजरायली शहर तेल अवीव और अश्कलोन में दो ड्रोन भेजे, जो ÷महत्वपूर्ण÷ और औद्योगिक÷ इलाकों को निशाना बनाने के लिए थे। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने एक बयान में कहा, ÷हमने दो सैन्य अभियान चलाए, जिनमें से पहले ऑपरेशन में तेल अवीव शहर में एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्र को निशाना बनाया गया। दूसरे ऑपरेशन में अश्कलोन शहर में औद्योगिक क्षेत्र को निशाना बनाया गया।÷

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बर्ड फ्लू का प्रकोप, राज्य में दूध उत्पादन में भारी गिरावट

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एवियन इन्फ्लूएंजा ए (एच5एन1) वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कैलिफोर्निया के अधिकारियों के अनुसार, बर्ड फ्लू ने अगस्त से अब तक 984 डेयरियों में से 659 को प्रभावित किया है। इनमें से एक-चौथाई मामले पिछले महीने में ही सामने आए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, राज्य के डेयरी उद्योग में तेजी से फैल रहे इस वायरस के कारण गवर्नर गेविन न्यूसम ने राज्य में पिछले सप्ताह आपातकाल की घोषणा की थी। कैलिफोर्निया के गवर्नर न्यूसम ने एक बयान में कहा, ÷इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सरकारी एजेंसियों के पास इस विषम स्थिति से सामना करने का जरूरी संसाधन कितना है जिससे वो परिस्थिति के अनुसार तुरंत रिएक्ट कर सकें।÷ अमेरिकी रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) की मंगलवार को जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस महामारी का मानवीय प्रभाव लगातार गंभीर होता जा रहा है, तथा कैलिफोर्निया में ऐसे 36 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। जो कि देश के कुल 65 मामलों के आधे से भी अधिक हैं, हालांकि वास्तविक संख्या इससे अधिक होने की संभावना है, क्योंकि हाल ही में स्थानीय स्तर पर पुष्टि के मामले संघीय आंकड़ों में अभी तक जुड़े नहीं हैं। कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स काउंटी और स्टैनिस्लॉस काउंटी में सोमवार को दो नए मामलों की पुष्टि हुई थी। दोनों काउंटी के स्वास्थ्य विभागों के अनुसार, दोनों व्यक्ति अपने कार्यस्थल पर बर्ड फ्लू से संक्रमित पशुओं के संपर्क में आए थे। दोनों व्यक्तियों में इस वायरस के हल्के लक्षण थे और उनका एंटीवायरल दवाओं से इलाज किया गया था। बता दें कि इस वायरस पर नियंत्रण पाने के

लिए स्वास्थ्य अधिकारी पूरे कैलिफोर्निया राज्य में अपशिष्ट जल की निगरानी कर रहे हैं। सैन फ्रांसिस्को, नापा और सैन जोस सहित कई इलाकों में वायरस का पता लगाया जा रहा है। हालांकि, कैलिफोर्निया राज्य महामारी विज्ञानी एरिका पैन ने एबीसी30 को बताया कि इन मामलों का मुख्य कारण प्रारंभिक रूप से ÷घरेलू या अन्य वाणिज्यिक दूध को सिंक में डंप करने÷ के कारण हो सकता है। हालांकि स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि आम जनता के लिए जोखिम कम है, लेकिन यह वायरस संक्रमित मुर्गियों में 90 से 100 प्रतिशत और गायों में 1 से 2 प्रतिशत तक जान ले सकता है। कैलिफोर्निया राज्य के पशु चिकित्सक एनेट एम. जोन्स ने बताया कि संक्रमित गायें कभी पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकतीं। कैलिफोर्निया, जो देश का सबसे बड़ा डेयरी उत्पादक राज्य है, बर्ड फ्लू के प्रकोप के कारण भारी आर्थिक नुकसान का सामना कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में अब 1.7 मिलियन गायों का हर हफ्ते परीक्षण किया जा रहा है। अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में कैलिफोर्निया का दूध उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 9.2 प्रतिशत कम हो गया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस ने दिल्ली, पंजाब, बिहार, और पश्चिम बंगाल जैसे चार राज्यों में और 500 से अधिक सीसीटीवी,8 आरोपियों को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के किम के पास स्थित यूनियन बैंक में सेंध लगाकर नकदी और गहने चोरी करने के बाद चोर दिल्ली भाग गए थे। पुलिस ने इस मामले की जांच में 4 राज्यों का दौरा किया और 500 से अधिक CCTV फुटेज खंगाले। जांच के बाद चोरों को पकड़ लिया गया, लेकिन मास्टरमाइंड अब भी फरार है।

घटना में शामिल चोरों ने पहले बैंक की रेकी की और फिर सुनियोजित तरीके से सेंध लगाई। उन्होंने नकदी और गहनों को लेकर दिल्ली में आपस में बांट लिया। पुलिस की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर जाकर संदिग्धों की पहचान की और तकनीकी निगरानी के साथ उनकी लोकेशन का पता लगाया।

फिलहाल गिरफ्तार चोरों से पूछताछ की जा रही है, और पुलिस मास्टरमाइंड को पकड़ने के लिए कार्रवाई तेज कर रही है।

सूरत के किम चार रास्ता के पास 10 दिन पहले देर रात को 'धूम' स्टाइल में, बिना किसी को भनक लगे, यूनियन बैंक की दीवार में सेंध लगाकर और लॉकर तोड़कर चोरी को अंजाम दिया गया था। इस गैंग को सूरत ग्रामीण पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने दिल्ली, पंजाब, बिहार, और पश्चिम बंगाल जैसे चार राज्यों में खोजबीन की और 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में कुल 53.58 लाख रुपये की चोरी का माल बरामद किया है।

सूरत जिले के किम चार रास्ता के पास स्थित यूनियन बैंक को 10 दिन पहले चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने बैंक की दीवार में सेंध लगाकर बैंक के सायरन की केबल काट दी और कुल 6 लॉकर तोड़ डाले। चोरों ने पूरी घटना को बेहद शांत दिमाग से अंजाम दिया और वहां से फरार हो गए।

सुबह जब बैंक का स्टाफ पहुंचा तो दीवार में सेंध लगी देखकर चोरी का पता चला। घटना की सूचना मिलते ही सूरत जिला एलसीबी, एसओजी और कोसंबा पुलिस हरकत में आ गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए सूरत ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हितेश जॉयसर ने ग्रामीण पुलिस की 12 टीमें बनाकर मामले की जांच शुरू कर दी।

घटनास्थल का निरीक्षण करते ही पुलिस को तुरंत समझ आ गया कि इस घटना को अंजाम देने वाला गैंग हाई-प्रोफेशनल है और वह सूरत जिला या राज्य छोड़कर फरार हो चुका होगा। इसी आधार पर पुलिस ने सूरत से लेकर अहमदाबाद तक के सभी रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

जांच में पता चला कि आरोपी अलग-अलग वाहनों में सफर करते हुए सूरत के नेशनल हाईवे पर पहुंचे। वहां से सभी आरोपी एक साथ ऑटो रिक्शा में बैठकर सूरत रेलवे स्टेशन गए। वहां से वे लोकल ट्रेन से वडोदरा पहुंचे और वडोदरा से अन्य ट्रेन में बैठकर दिल्ली पहुंच गए। दिल्ली में चोरी के माल का बंटवारा करने के बाद सभी आरोपी अलग-अलग हो गए।

रिक्शा में बैठकर सूरत रेलवे स्टेशन जा रहे गैंग के सीसीटीवी फुटेज और व्यक्तिगत ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर पुलिस को यह सुराग मिला कि आरोपी किस दिशा में गए। इस सुराग के आधार पर पुलिस की अलग-अलग चार टीमें बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और पंजाब के लिए रवाना हुईं।

दिल्ली के घनी और बाहरी प्रवासी आबादी वाले निहाल विहार इलाके से पुलिस ने सुरज कुमार चंद्रदेव प्रसाद सिंह और बरखू कुमार अर्जुन बिंद को गिरफ्तार किया। वहीं, पंजाब से जय प्रकाश बाबूलाल बिंद को पकड़ा गया। सूरत के ओलपाड के सायण क्षेत्र में आरोपियों की मदद करने वाले दीपक नंदलाल महतो और यश कुमार रवि महात्मा की जानकारी मिलने पर पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में लिया।

बिहार भागे हुए कुदन धरनीधर बिंद, खीरू उर्फ मामो प्रकाश बिंद और बादल कुमार धर्मेंद्र महतो के सक्रिय नक्सली क्षेत्र में होने की जानकारी मिली थी। इस पर पुलिस ने जान जोखिम में डालकर बिहार एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की मदद से इन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। हालांकि, चोरी की घटना का मास्टरमाइंड सुरज कुमार भरत लुहार पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका। पुलिस ने सभी आरोपियों के पास से सोने-चांदी के आभूषण, एक पिकअप बोलेरो, मोबाइल फोन और नकद सहित कुल 53.58 लाख रुपये का सामान बरामद किया।

गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस की कड़ी पूछताछ में यह बात सामने आई कि पुलिस की पकड़ से बाहर सुरज भरत लुहार ने लगातार 20 दिनों तक बैंक की रेकी की थी। उसने यह पूरी योजना बनाई थी कि बैंक में कहां से घुसना है, कहां से भागना है और पुलिस से कैसे बचना है। इस फुलप्रूफ प्लान के बाद वह अपने गांव गया और अन्य लोगों से संपर्क किया। उसने बैंक की दीवार तोड़ने के लिए इलेक्ट्रिक ग्राउंड मशीन, ब्रेकर मशीन और लोहे के औजारों का इंतजाम किया। इसके बाद, प्लान के अनुसार, चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।

सूरत में सामूहिक हत्या और सामाजिक तनाव के कारण हंसते-खेलते परिवार का बसेरा उजड़ गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सरथाणा स्थित तक्षशिला के पास सूर्य अपार्टमेंट में आज सुबह स्मित लाभुभाई गोयाणी नामक युवक ने खून की होली खेली। स्मित ने अपने माता-पिता, पत्नी और बेटे पर चाकू से वार किए और उसके बाद खुद के गले और हाथ पर भी चाकू से वार किए।

इस घटना में युवक की पत्नी और बेटे की मौत हो गई, जबकि स्मित लाभुभाई गोयाणी के माता-पिता की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें स्मित द्वारा अपने परिवार पर हमला करने के बाद उसकी मां खून से लथपथ हालत में घर के बाहर आती हुई दिखाई दे रही हैं और आसपास के लोगों को घटना की जानकारी देती हैं। इसके बाद उसके पिता भी खून से लथपथ हालत में घर के बाहर खड़े हुए नजर आ रहे हैं।

अकेलेपन के डर से हत्या

स्मित लाभुभाई गोयाणी ने आज सुबह अलग कमरे में सो रही अपनी पत्नी और बेटे के साथ-साथ अपने माता-पिता पर घर के रसोई में इस्तेमाल होने वाले चाकू से हमला किया। इसके बाद उसने कहा, च्मैं अकेला हो गया हूं, मेरा कोई नहीं है,ज्ञ और अपने गले और हाथ पर भी चाकू चला लिया। घटना की जानकारी मिलते ही जुटे लोगों ने सभी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने स्मित की पत्नी और बेटे को मृत घोषित कर दिया, जबकि स्मित और उसके माता-पिता की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही सरथाणा पुलिस जांच के लिए मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि स्मित के बड़े चाचा का सात दिन पहले निधन हुआ था, और परिवार वहां शोक सभा में गया था। वहां स्मित के चचेरे भाई ने नाराजगी के कारण उसे अब शोक सभा में न आने की बात कही थी। इस बात से स्मित आहत हो गया था। इसी कारण आज सुबह उसने अपने परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया और खुद पर भी चाकू से वार कर आत्महत्या करने की कोशिश की।

एसीपी विपुल पटेल ने बताया कि सुबह सरथाणा पुलिस स्टेशन के पास स्थित राजहंस स्वप्न सृष्टि बंग्लोज सोसाइटी में सूर्य फ्लैट के 8वें माले पर एक व्यक्ति द्वारा खुद और अपने परिवार को चोट पहुंचाने की सूचना मिली। तुरंत सरथाणा पुलिस स्टेशन का स्टाफ घटनास्थल पर पहुंचा। जांच में पता चला कि फ्लैट नंबर 804 में रहने वाले स्मित गोयाणी ने अपने पिता लाभुभाई, मां विलासबेन, पत्नी हीरलबेन, बेटे चाहत और खुद को घायल किया था। इस घटना में उसकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता और खुद स्मित का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

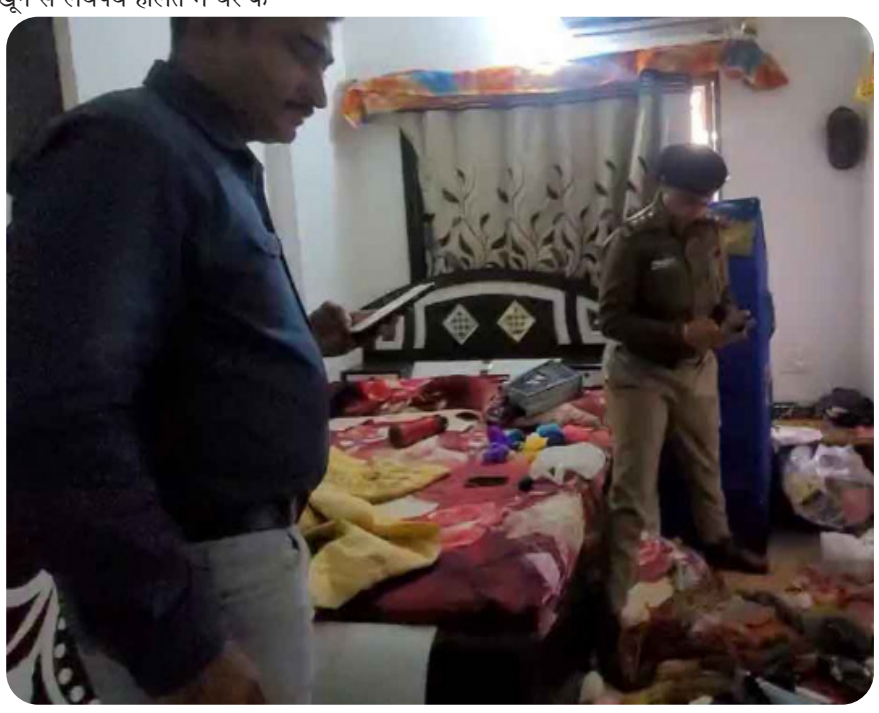

वापी में अपहृत बच्चे की हत्या का खुलासा

अपहरण की एफआईआर में हत्या की धाराएं जोड़ी गई, पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपी को पकड़ने जांच शुरू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले के वापी के छिरी इलाके में अपहृत बच्चे की हत्या का खुलासा हुआ है। पुलिस ने घटना स्थल के पास के सीसीटीवी कैमरे चेक किए, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति को बच्चे के साथ जाते हुए देखा गया। कुछ देर बाद वही संदिग्ध व्यक्ति अकेला लौटते हुए सीसीटीवी में कैद हुआ। पास में झाड़ियों की जांच करने पर वहां बच्चे की लाश मृत अवस्था में पाई गई। वलसाड पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया, जिससे बच्चे की हत्या होने का पता चला। इस मामले में अपहरण की शिकायत में हत्या की धाराएं जोड़ी गई और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों से पूछताछ शुरू कर दी गई है, साथ ही आरोपी को पकड़ने के प्रयास तेज किए गए हैं।

वलसाड जिले के वापी तालुका के छिरी इलाके में रहने वाले एक परिवार का 7 साल का बेटा 25 दिसंबर की रात 9 बजे अपने पिता की नास्ता की लारी से 10 रुपये लेकर पास की दुकान से कुरकुरे लेने के लिए गया था। इसके बाद बच्चा वापस नहीं आया, तो परिवार के सदस्यों ने तुरंत आसपास के इलाके में बच्चे की तलाश शुरू की। रातभर बच्चे की खोज की गई, लेकिन जब वह नहीं मिला, तो 26 दिसंबर को बच्चे के परिवार ने डुंघर पुलिस टीम को घटना की जानकारी दी। डुंघर पुलिस ने अपहरण की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की।

वलसाड SP डॉ. करनराज वाघेला के मार्गदर्शन में, वाही DySP बी एन दवे के नेतृत्व में डुंघर पुलिस टीम, वलसाड LCB और SOG की टीम ने जांच की। घटना स्थल के पास के CCTV फुटेज चेक करने पर एक संदिग्ध व्यक्ति के पीछे बच्चा जाते हुए देखा गया। थोड़ी देर बाद वह संदिग्ध अकेला वापस लौटते हुए दिखाई दिया। CCTV फुटेज के आधार पर पास की झाड़ियों की जांच करने पर बच्चे की हत्या कर दी गई लाश मिली।

इस घटना की जानकारी वलसाड SP करनराज वाघेला, DySP बी एन दवे, वलसाड LCB और SOG की टीम को दी गई, जिन्होंने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और संदिग्ध व्यक्ति की तलाश और आगे की जांच शुरू की।

लाश का पोस्टमार्टम करने पर यह सामने आया कि हत्या की गई थी। इसके बाद डुंघर पुलिस ने अपहरण की शिकायत में हत्या की धाराएं जोड़कर आगे की जांच शुरू की। घटना स्थल और आसपास के इलाके के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज के आधार पर, आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों और संदिग्ध व्यक्तियों से प्रारंभिक पूछताछ की गई। वलसाड पुलिस हत्या का खुलासा करने और संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ने के लिए अपनी जांच तेज कर दी है।

RTE में एडमिशन के लिए अमीर अभिभावक बने 'गरीब'

सूरत में झींगा तालाब के मालिक और 50 लाख का कर्ज लेने वाले ने गलत तरीके से प्रवेश,अब तक100 प्रवेश रद्द किए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गरीब छात्र भी अच्छी निजी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर सकें, इसके लिए ऋक्षश्च (राइट टू एजुकेशन) एक्ट के तहत उन्हें प्रवेश दिया जाता है और 8वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाती है। लेकिन कुछ अमीर अभिभावक भी इसका लाभ लेने के लिए कागजों पर खुद को गरीब दिखा देते हैं और गरीब छात्रों के अधिकारों पर डाका डालते हैं।

सूरत में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां झींगा तालाब के मालिक और 50 लाख का लोन लेने वाले अभिभावकों ने भी अपने बच्चों के लिए फर्जी दस्तावेज बनाकर ऋक्षश्च के तहत एडमिशन लिया। निजी स्कूलों की शिकायत के बाद शिक्षा विभाग ने ऐसे अभिभावकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है और एडमिशन रद्द करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अब तक 100 एडमिशन रद्द किए जा चुके हैं।

RTE का अधिकार गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए है। लेकिन सूरत में कई करोड़पति माता-पिता के बच्चों ने RTE के तहत बड़ी स्कूलों में प्रवेश ले लिया है। जब इस मामले की जांच शुरू हुई, तो ऐसे 100 से अधिक प्रवेश जिला शिक्षा विभाग द्वारा रद्द कर दिए गए। इन अभिभावकों को सूरत जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अपनी बात रखने का मौका भी दिया गया।

सभी संदिग्ध अभिभावकों को सूरत जिला शिक्षा विभाग के कार्यालय में बुलाया गया था। लेकिन बड़ी संख्या में अभिभावक अनुपस्थित रहे। वहीं, कुछ लोग खुद को गरीब दिखाने के लिए चप्पल पहनकर पहुंचे। उनके पास ऐसे-ऐसे बहाने थे कि उन्हें सुनकर शिक्षा विभाग के अधिकारी भी हैरान रह गए।

नियम के अनुसार, वार्षिक आय लगभग 1.30 लाख रुपये तक वाले लोगों के बच्चों को RTE के तहत स्कूलों में एडमिशन दिया जाता है। इस साल करीब 8000 बच्चों को RTE के तहत एडमिशन मिला। लेकिन कई लोगों ने फर्जी दस्तावेज बनाकर अपने बच्चों का एडमिशन RTE के तहत करवाया।

इस मामले में स्कूलों को जानकारी मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी से शिकायत की गई। सूरत की सभी स्कूलों ने अपनी ओर से सर्वे कर बच्चों के माता-पिता की आय, निवास और उनकी आर्थिक स्थिति का रिपोर्ट तैयार कर जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपी। इस रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने कर्मचारियों के माध्यम से मामले की दोबारा जांच करवाई।

अमीर अभिभावक मुफ्त शिक्षा के लिए कागजों पर बने 'गरीब'जांच के दौरान यह सामने आया कि कई लोग जो करोड़पति हैं, विदेश यात्राएं कर चुके हैं, और करोड़ों के मकानों में रहते हैं, उन्होंने फर्जी दस्तावेज बनाकर सरकारी स्कूलों में ऋक्षश्च के तहत अपने बच्चों का एडमिशन करवाया। अब तक 100 से अधिक छात्रों के प्रवेश रद्द किए जा चुके हैं। ऐसे बच्चों के माता-पिता को जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में अपनी बात रखने का अवसर भी दिया गया।

सूरत जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में हुई सुनवाई के दौरान अधिकांश अभिभावक अनुपस्थित रहे, और जो मौजूद थे, वे बहाने बनाते नजर आए, जिससे उनकी सच्चाई सामने आ गई। स्कूलों ने बताया कि अभिभावक आय का प्रमाण देने में विफल रहे। जब स्कूल ने बार-बार पैन कार्ड मांगा, तो कई अभिभावकों ने वह भी नहीं दिया।

इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी भगीरथसिंह परमार ने कहा कि स्कूलों की ओर से जरूरी दस्तावेज मांगे जाते हैं, लेकिन अभिभावक उन्हें देने से बचते हैं। स्कूलों ने इस मामले में सर्वे किया था, जिसके बाद हमने भी इस सर्वे रिपोर्ट की जांच की।

जांच में पाया गया कि करोड़ों के झींगा तालाब के मालिक, लग्जरी फ्लैट्स, कारखानों और बंगलों के मालिकों ने अपने बच्चों का एडमिशन ऋक्षश्च के तहत करवाया है। कई अभिभावक विदेश यात्रा कर चुके हैं, और उनके घरों में सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इन सबका हमारे पास फोटो प्रमाण भी है। फिलहाल हम सुनवाई की प्रक्रिया कर रहे हैं और इसके बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।